पौष कृष्ण - 15 | संवत 2081 | वर्ष - 20 | अंक - 156 | पृष्ठ - 8 | रु. 5/- | बेंगलूरु » सोमवार » 30-12-2024 | www.dakshinbharat.com | Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 गांधी परिवार ने कांग्रेस के गैर गांधी नेताओं को कभी सम्मान नहीं दिया : प्रल्हाद जोशी

6 आसमान में हैं अनगिनत तारे, फिर ब्रह्मांड में इतना अंधेरा क्यों है?

7 राजामौली की फिल्म में काम करेंगी प्रियंका चोपड़ा!

महाकुंभ का संदेश एकता स्थापित करना है : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को महाकुंभ को ''एकता का महाकुंभ'' बताया और लोगों से इस आगामी भव्य धार्मिक समागम से समाज से नफरत और विभाजन को खत्म करने के संकल्प के साथ लौटने का आग्रह किया। मोदी ने अपने मासिक 'मन की बात' कार्यक्रम में कहा, महाकुंभ का संदेश एक हो पूरा देश। उन्होंने कहा, गंगा की अविरल धारा, न बनते समाज हमारा। उन्होंने प्रयागराज में अगले साल 13 जनवरी से आयोजित इस समागम में शामिल होने वाले लोगों की विविधता के मद्देनजर कहा कि विविधता में एकता के ऐसे दृश्य का कोई दूसरा उदाहरण नहीं है। उन्होंने कहा, महाकुंभ की विशेषता न केवल इसकी विशालता बल्कि इसकी विविधता में भी है।

यह विशाल धार्मिक आयोजन हर 12 साल में आयोजित किया जाता है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन में बड़ी संख्या में लोग जुटते हैं और संत, हजारों परंपराएं, सैकड़ों संप्रदाय और कई अखाड़े इसका हिस्सा बनते हैं। उन्होंने कहा, इस आयोजन में करोड़ों लोग एक साथ एकत्रित होते हैं। लाखों संत, हजारों परंपराएं, सैकड़ों संप्रदाय, अनेकों अखाड़े, हर कोई इस आयोजन का हिस्सा बनता है। कहीं कोई भेदभाव नहीं दिखता है, कोई बड़ा नहीं होता है, कोई छोटा नहीं होता है। उन्होंने कहा, अनेकता में एकता का ऐसा दृश्य विश्व में कहीं और देखने को नहीं मिलेगा। इसलिए हमारा कुंभ एकता का महाकुंभ भी होता है।

प्रधानमंत्री ने कहा, इस बार का महाकुंभ एकता के महाकुंभ के मंत्र को और मजबूत करेगा। जब हम कुंभ में भाग लें, तो एकता का संकल्प भी साथ लेकर चलें। समाज में विभाजन और नफरत की भावना को खत्म करने का संकल्प भी लें।

> **इस बार का महाकुंभ एकता के महाकुंभ के मंत्र को और मजबूत करेगा। जब हम कुंभ में भाग लें, तो एकता का संकल्प भी साथ लेकर चलें। समाज में विभाजन और नफरत की भावना को खत्म करने का संकल्प भी लें।**

संविधान की प्रस्तावना विभिन्न भाषाओं में पढ़ें, अपना वीडियो अपलोड करें

नई दिल्ली/एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में देशवासियों को भारत का संविधान लागू होने के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित गतिविधियों में भाग लेने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि 2025 में 26 जनवरी को हमारे संविधान को लागू हुए 75 वर्ष होने जा रहे हैं। हम सभी के लिए बहुत गौरव की बात है। उन्होंने कहा, 'हमारे संविधान निर्माताओं ने हमें जो संविधान सौंपा है वो समय की हर कसौटी पर खरा उतरा है। संविधान हमारे लिए आगे की राह दिखाने वाला प्रकाश है। हमारा मार्गदर्शक है। ये भारत का संविधान ही है जिसकी वजह से मैं आज यहाँ हूँ, आपसे बात कर पा रहा हूँ।' उन्होंने कहा कि 26 नवंबर 2024 को संविधान दिवस से एक साल तक चलने वाली कई गतिविधियां शुरू हुई हैं। देश के नागरिकों को संविधान की विरासत से जोड़ने के लिए कॉन्स्टिट्यूशन75.कॉम नाम से एक खास वेबसाइट भी बनाई गई है। इसमें आप संविधान की प्रस्तावना पढ़कर अपना वीडियो अपलोड कर सकते हैं। प्रधानमंत्री ने मन की बात कार्यक्रम के 117वीं कड़ी में अपने संबोधन में देशवासियों से कहा कि इस वेबसाइट पर आप अलग-अलग भाषाओं में संविधान पढ़ सकते हैं। साथ ही संविधान के बारे में प्रश्न भी पूछ सकते हैं।

सुरक्षा के मोर्चे पर भारत 'भाग्यशाली' नहीं, दुश्मनों से सतर्क रहें : रक्षामंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महू (मप्र)/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सैन्यकर्मियों से आंतरिक और बाहरी दुश्मनों पर पैनी नजर रखने का आग्रह करते हुए रविवार को कहा कि भारत सुरक्षा के मोर्चे पर ''बहुत भाग्यशाली नहीं'' है।

वह मध्य प्रदेश के इंदौर जिले में दो सदी से अधिक पुरानी महू छावनी में सैन्य कर्मियों को संबोधित कर रहे थे। राज्य के दो दिवसीय दौरे पर आए सिंह ने कहा, सुरक्षा परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए भारत बहुत भाग्यशाली देश नहीं है, क्योंकि हमारी उत्तरी सीमा और पश्चिमी सीमा लगातार चुनौतियों का सामना कर रही है।

इंदौर से 25 किमी दूर महू छावनी में तीन प्रमुख प्रशिक्षण संस्थान 'आर्मी वॉर कॉलेज, मिलिट्री कॉलेज ऑफ टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग' और 'इन्फैंट्री स्कूल' हैं। इसके अलावा 'इन्फैंट्री म्यूजियम' और 'आर्मी मार्कस्मैनशिप यूनिट' भी है। उन्होंने सैन्यकर्मियों से कहा, हमें आंतरिक मोर्चे पर भी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इस पृष्ठभूमि में हम बेफिक्र नहीं हो सकते। हमारे दुश्मन, चाहे आंतरिक हों या बाहरी, हमेशा सक्रिय रहते हैं। इन परिस्थितियों में हमें उनकी गतिविधियों पर कड़ी नजर रखनी चाहिए और उनके खिलाफ़ उचित और समय पर प्रभावी कदम उठाने चाहिए।

रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत को 2047 तक एक विकसित और आत्मनिर्भर देश बनाने के लिए सेना की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, देश के रक्षा मंत्री के रूप में मैं आपको बताना चाहूंगा कि हमें हमेशा सतर्क रहना चाहिए। जब मैं यहां आया और जिस अनुशासन और समर्पण के साथ आप प्रशिक्षण ले रहे हैं, उसे देखकर मैं बहुत प्रभावित हुआ। आपका प्रशिक्षण किसी युद्ध से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि अनुशासन के इस स्तर को बनाए रखने के लिए समर्पण और दृढ़ विश्वास की आवश्यकता होती है। सिंह ने कहा कि वह देश भर में सैन्य प्रतिष्ठानों और छावनियों में साफ-सफाई से प्रभावित हैं।

सिंह ने कहा, काम के प्रति आपकी लगन मुझे प्रेरित करती है। मैं कह सकता हूं कि सबसे आकर्षक बात है काम के प्रति आपकी लगन और जिम्मेदारी की भावना। यह हम सभी के लिए प्रेरणादायी है।

दक्षिण कोरिया में हवाई अड्डे पर विमान हादसा, 179 की मौत

एक यात्री विमान रनवे से फिसल गया और कंक्रीट की दीवार से टकरा गया, जिससे उसमें आग लग गई।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सियोल/एपी। दक्षिण कोरिया में एक हवाई अड्डे पर रविवार को एक यात्री विमान रनवे से फिसल गया और कंक्रीट की दीवार से टकरा गया, जिससे उसमें आग लग गई। इस हादसे में विमान में सवार 181 लोगों में से दो को छोड़कर अन्य सभी की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह देश में अब तक हुए सबसे भीषण विमान हादसों में से एक है। उन्होंने बताया कि 'जेजू एयर' का विमान सियोल से लगभग 290 किलोमीटर दक्षिण में मुआन शहर में उतरते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

परिवहन मंत्रालय ने कहा कि विमान 15 साल पुराना बोइंग 737-800 था, जो बैंकॉक से लौट रहा था और दुर्घटना स्थानीय समयानुसार सुबह नौ बजकर तीन मिनट पर हुई।

दक्षिण कोरिया की अग्निशमन एजेंसी ने बताया कि आग लगने की घटना में 179 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 85 महिलाएं और 84 पुरुष शामिल हैं, हालांकि 10 अन्य लोगों की पहचान तत्काल नहीं हो सकी।

आपातकालीन कर्मचारियों ने दो लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला और ये दोनों चालक दल के सदस्य थे। स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि वे होश में हैं और उनकी जान को खतरा नहीं है।

इसरो जनवरी में अंतरिक्ष में उपग्रहों की 'डॉकिंग' का प्रदर्शन करेगा, आज प्रक्षेपण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) कक्षा में अंतरिक्ष यान की 'डॉकिंग' और 'अनडॉकिंग' का प्रदर्शन करने के लिए सोमवार रात श्रीहरिकोटा अंतरिक्ष केंद्र से दो उपग्रहों को प्रक्षेपित करेगा। प्रदर्शन में कामयाबी मिलने पर भारत यह उपलब्धि हासिल करने वाला दुनिया का चौथा देश बन जाएगा।

अंतरिक्ष एजेंसी के अधिकारियों ने बताया कि इसरो का रॉकेट ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) दो उपग्रहों एसडीएक्स-एक और एसडीएक्स-दो को 476 किलोमीटर की वृत्ताकार कक्षा में स्थापित करेगा और जनवरी के पहले सप्ताह में अंतरिक्ष डॉकिंग प्रयोग (स्पैडएक्स) का प्रयास करेगा। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा, ''यह मिशन अंतरिक्ष डॉकिंग में महारत हासिल करने में सक्षम देशों की विशेष श्रेणी में भारत के प्रवेश को रेखांकित करेगा।''

स्पैडएक्स मिशन अंतरिक्ष अन्वेषण में भारत के भविष्य के प्रयासों के लिए महत्वपूर्ण कदम साबित होने की उम्मीद है, जिसमें पृथ्वी पर चंद्रमा से चट्टानें और मिट्टी लाना, प्रस्तावित भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन और चंद्रमा की सतह पर एक अंतरिक्ष यात्री को उतारना शामिल है।

फर्स्ट टेक

गुजरात के कच्छ में 3.2 तीव्रता का भूकंप

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात के कच्छ जिले में रविवार सुबह 3.2 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। भूकंपीय अनुसंधान संस्थान (आईएसआर) ने यह जानकारी दी। जिला प्रशासन ने बताया कि किसी के हताहत होने या संपत्ति के नुकसान की कोई खबर नहीं है। गांधीनगर स्थित आईएसआर ने बताया कि भूकंप सुबह 10.06 बजे आया और इसका केंद्र भचाऊ से 18 किलोमीटर उत्तर-उत्तर पूर्व में स्थित था। इस महीने जिले में तीन से अधिक तीव्रता वाला यह तीसरा भूकंप है। 23 दिसंबर को कच्छ में 3.7 तीव्रता का भूकंप आया था। आईएसआर के अनुसार, सात दिसंबर को जिले में 3.2 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था।

70 सीरियाई सैनिकों को लेबनान ने सीरिया वापस भेजा

काहिरा/एजेन्सी। लेबनान सरकार ने सीरिया में सत्ता में आए सीरियाई सशस्त्र विपक्ष को 70 सीरियाई सैनिकों और अधिकारियों को सौंप दिया है। ये लोग पूर्व राष्ट्रपति बशर असद के पद छोड़ने के बाद लेबनान भाग गए थे। सीरियाई समाचार पत्र अल-वतन ने शनिवार को यह जानकारी दी। रिपोर्ट में कहा गया है कि ये लोग असद के परिवार के करीबी थे और अनौपचारिक मार्गों से अवैध रूप से लेबनान की सीमा पार कर गए थे। लेबनान के विदेश मंत्री अब्दुल्ला बौ हबीब ने गुरुवार को अपने नए सीरियाई समकक्ष असद हसन अल-शैबानी के साथ एक टेलीफोन बातचीत में कहा कि बेरूत को दमिश्क में नए अधिकारियों के साथ अच्छे पड़ोसी संबंध बनाने की उम्मीद है।

एयर कनाडा के विमान में उतरते समय लगी आग, सभी यात्री सुरक्षित निकाले गए

ओटावा/भाषा। न्यूफाउंडलैंड द्वीप के सेंट जॉन्स शहर से आ रहा एयर कनाडा का एक विमान नोवा स्कोटिया प्रांत के गॉफ्स में हैलिफैक्स हवाई अड्डे पर उतरते समय रनवे से नीचे फिसल गया और उसके एक हिस्से में आग लग गई। 'सीबीसी न्यूज' की खबर के अनुसार, हवाई अड्डे द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि यह घटना 'एयर कनाडा' की उड़ान 2259 से संबंधित थी, जिसका संचालन पीएएल एयरलाइन द्वारा किया जाता था। यह घटना स्थानीय समयानुसार रात 9:30 बजे के आसपास हुई। बयान में यह नहीं बताया गया है कि विमान में कितने लोग सवार थे। सीबीसी न्यूज के अनुसार विमान में सवार लोगों को बाहर निकाल लिया गया।

30-12-2024 सूर्यास्त	31-12-2024 सूर्योदय
6:03 बजे	6:41 बजे

BSE	NSE
78,699.07	23,813.40
(+226.59)	(+63.20)

सोना	चांदी
8,014 रु.	91,295 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

भारतवंशी

समय दे रहा आज चुनौती,
चलो नहीं अब धीरे-धीरे।
हमको लाने हैं अपने घर,
खुशहाली के बड़े जखीरे।
अब फिर से बदला है मौसम,
तृषित मनों में आस जगी रे।
चमक रहे सारी दुनिया में,
भारतवंशी बन कर हीरे।।

बातचीत

01-ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी रविवार को नयागढ़ जिले के कंडापाड़ा गांव में बेमौसम बारिश से बर्बाद हुए धान के किसानों से बातचीत करते हुए।

मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में राज कपूर, मोहम्मद रफी, एएनआर, तपन सिन्हा को याद किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को वर्ष 2024 के अपने अंतिम 'मन की बात' कार्यक्रम में भारतीय सिनेमा के चार दिग्गजों राज कपूर, मोहम्मद रफी, अक्किनेनी नागेश्वर राव (एएनआर) और तपन सिन्हा को उनके जन्म शताब्दी वर्ष पर याद किया। मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम में कहा, वर्ष 2024 में हम फिल्म जगत की कई महान हस्तियों की 100वीं जयंती मना रहे हैं। इन विभूतियों ने भारतीय सिनेमा को विश्व स्तर पर पहचान दिलाई। हमारे पूरे फिल्म जगत के लिए इन हस्तियों का जीवन प्रेरणा जैसा है। राज कपूर जी ने फिल्मों के माध्यम से दुनिया को भारत की 'सॉफ्ट पावर' से परिचित कराया। उन्होंने कहा कि रफी साहब की आवाज में वो जादू था जो हर दिल को छू लेता था। मोदी ने गायक के बारे में कहा, उनकी आवाज अद्भुत थी। भक्ति गीत हों या रोमांटिक गीत, दर्द भरे गाने हों, हर भाव को उन्होंने अपनी आवाज से जीवंत कर दिया। एक कलाकार के रूप में उनकी महानता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि आज भी युवा-पीढ़ी उनके गानों को उतनी ही शिद्दत से सुनती है। यही तो है सदाबाहर कला की पहचान। मोदी ने तेलुगु सिनेमा को

नयी ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए एएनआर की प्रशंसा की और कहा कि उनकी फिल्मों ने भारतीय परंपराओं एवं मूल्यों को बखूबी प्रस्तुत किया। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में कहा, तपन सिन्हा जी की फिल्मों ने समाज को एक नयी दृष्टि दी। उनकी फिल्मों में सामाजिक चेतना और राष्ट्रीय एकता का संदेश रहता था। हिंदी फिल्म जगत के 'शोमैन' कपूर और भारतीय सिनेमा के महानतम पार्श्व गायकों में से एक रफी की जन्मशती क्रमशः 14 दिसंबर और 24 दिसंबर को मनाई गई। अक्किनेनी नागेश्वर राव तेलुगु फिल्म जगत के सबसे प्रमुख व्यक्तियों में से एक थे, जिन्होंने अपने सात दशक के करियर में कई ऐतिहासिक फिल्मों में अभिनय किया। राव की 20 सितंबर को 100वीं जयंती मनाई गई थी। प्रमुख बंगाली सिनेमा निर्देशकों में से एक सिन्हा की जयंती दो अक्टूबर को मनाई गई थी।

भारत फरवरी में 'वेव्स' शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। भारत अगले साल फरवरी में पहली बार 'वैश्विक ऑडियो विजुअल मनोरंजन शिखर सम्मेलन' (वेव्स) की मेजबानी करेगा, जो देश की रचनात्मक प्रतिभाओं के लिए एक वैश्विक मंच होगा, सहयोग को बढ़ावा देगा और विश्व स्तरीय मनोरंजन सामग्री निर्माण के केंद्र के रूप में देश की क्षमता को प्रदर्शित करेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में 'वेव्स' के बारे में विस्तार से बात की। 'वेव्स' की तुलना दावोस में आयोजित होने वाले विश्व आर्थिक मंच जैसे वैश्विक आयोजनों से करते हुए मोदी ने कहा कि मीडिया और मनोरंजन उद्योग के दिग्गजों के साथ-साथ दुनिया भर से रचनात्मक लोग 5 से 9 फरवरी तक आयोजित होने वाले शिखर सम्मेलन के लिए दिल्ली में एकत्र होंगे।

उन्होंने कहा, यह शिखर सम्मेलन भारत को वैश्विक मनोरंजन सामग्री निर्माण का केंद्र बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रधानमंत्री ने 'वेव्स' की तैयारियों में युवा रचनाकारों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया, जो भारत के रचनात्मक समुदाय की गतिशील भावना को दर्शाता है।

उन्होंने देश के युवाओं के उत्साह और रचना क्षेत्र से जुड़ी अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में उनके योगदान पर गर्व व्यक्त किया। मोदी ने कहा, चाहे आप एक युवा रचनाकार हों या एक स्थापित कलाकार, बॉलीवुड या क्षेत्रीय सिनेमा से जुड़े हों, टीवी उद्योग के पेशेवर हों, एनीमेशन, गेमिंग के विशेषज्ञ हों या मनोरंजन प्रौद्योगिकी के प्रवर्तक हों, मैं आपको वेव्स शिखर सम्मेलन का हिस्सा बनने के लिए प्रोत्साहित करता हूं। प्रधानमंत्री ने मनोरंजन और रचनात्मक उद्योगों के सभी हितधारकों से 'वेव्स' में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया।

दौरा

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह रविवार को इंदौर के डॉ. अंबेडकर नगर में डॉ. बीआर अंबेडकर की एक प्रदर्शनी का दौरा किया। इस अवसर पर थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी भी मौजूद रहें।

सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के लिए सरकार प्रतिबद्ध : यादव

भोपाल/एजेन्सी

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। जनता के प्रति जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए जरूरतमंदों तक शासकीय योजनाओं का लाभ पहुँचाने के लिए प्रदेश में गांव और वार्ड स्तर पर मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान चलाया जा रहा है।

आधिकारिक जानकारी में डॉ यादव ने कहा कि यह अभियान 26 जनवरी 2025 तक जारी रहेगा। अभियान अंतर्गत जहाँ एक ओर योजनाओं से वंचित नागरिकों को चिन्हित कर उन्हें योजनाओं से जोड़ा जा रहा है, वहीं शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में आमजन की समस्याओं का शिविर लगाकर निराकरण किया जा रहा है। अभियान में अब तक 7 हजार से अधिक शिविर लगाए जा चुके हैं, जिनमें 3 लाख से अधिक आवेदनों का निराकरण किया जा चुका है। आम नागरिकों तक सीधे पहुंचकर

योजनाओं का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से सरकारी अमला जरूरतमंदों का सर्वेक्षण कर उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले एक वर्ष में सुशासन के प्रयासों से आमजन को शासन की योजनाओं और सेवाओं को सहज रूप से उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। राजस्व संबंधी प्रकरणों के निराकरण के लिए राजस्व महाअभियान के तीन चरण चलाये गए, जिसमें अभियान का तीसरा चरण प्रदेश में अभी चल रहा है। इसमें लाखों की संख्या में राजस्व संबंधी लंबित आवेदनों का निराकरण कर आमजन को राहत दी गई।

डॉ यादव ने कहा कि गरीब परिवारों को गरीबी के कुचक्र से बाहर लाने के लिए अनेक योजनाएँ संचालित कर हर पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुँचाया जा रहा है। इसके लिए जरूरी है कि गरीब परिवारों को नागरिक सेवाओं की पहुंच के दायरे में लाया जाकर उनकी आर्थिक क्षमता बढ़ाई जाये। सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास और सबका प्रयास वंचितों के जीवन में सुधार लाने की ठोस पहल की गई है, जिससे ज़रूरतमंदों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराकर उनके जीवन स्तर में सुधार लाया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश में गरीब हितैषी पहल की गई, जिसके अंतर्गत इंदौर के हुकुमचंद मिल के 4 हजार 800 श्रमिक परिवारों की लंबित राशि 224 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया। इसी तर्ज पर ग्वालियर सहित अन्य शहरों की बंद पड़ी मिल्स के प्रकरणों का भी श्रमिकों के हित में निर्णय लिए जा रहे हैं।

भगदड़ मामले में कानून अपना काम करेगा: तेलंगाना के डीजीपी

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक जितेन्द्र ने रविवार को कहा कि 'पुष्पा-2' के प्रीमियर के दौरान भगदड़ में एक महिला की मौत से संबंधित मामले में कानून अपना काम करेगा।

फिल्म के अभिनेता अल्लू अर्जुन इस मामले में आरोपी हैं।

संवाददाता सम्मेलन में पूछे गए सवाल पर पुलिस महानिदेशक जितेन्द्र ने ज्यादा कुछ बताने से इनकार कर दिया और कहा कि मामला न्यायालय में विचाराधीन है।

जितेन्द्र ने कहा, मामले की जांच पहले से ही की जा रही है। अदालत भी इस पर विचार कर रही है। यह मामला न्यायालय में भी विचाराधीन है। इसके अलावा, कानून अपना काम करेगा। मुझे बस इतना ही कहना है। इससे अधिक कुछ नहीं। चार दिसंबर को हैदराबाद के संध्या थिएटर में अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पा 2' के प्रीमियर के दौरान अभिनेता की एक झलक पाने के लिए प्रशंसकों के बीच धक्का-मुक्की के दौरान भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई थी, जिसकी वजह से 35 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई और उसका आठ वर्षीय बेटा घायल हो गया।

शारीरिक संबंध का मतलब यौन उत्पीड़न नहीं : दिल्ली उच्च न्यायालय

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने पॉक्सो मामले में एक व्यक्ति को यह कहते हुए बरी कर दिया कि नाबालिग पीड़िता ने 'शारीरिक संबंध' शब्द का इस्तेमाल किया है, जिसका अर्थ अपने आप से यौन उत्पीड़न नहीं निकाला जा सकता।

न्यायमूर्ति प्रतिभा एम. सिंह और न्यायमूर्ति अमित शर्मा की पीठ ने आरोपी की अपील स्वीकार कर ली, जिसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी।

अदालत ने कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि निचली अदालत ने कैसे निष्कर्ष निकाला कि कोई यौन उत्पीड़न हुआ था, जबकि पीड़िता स्वेच्छा से आरोपी के साथ गई थी।

अदालत ने कहा कि शारीरिक संबंधों से लेकर यौन उत्पीड़न और संभोग तक की बात को साक्ष्य के माध्यम से साबित किया जाना चाहिए और केवल आशंकाओं के आधार पर निष्कर्ष नहीं निकाला जाना चाहिए।

अदालत ने 23 दिसंबर को पारित फैसले में कहा, केवल इस तथ्य से कि पीड़िता की उम्र 18 वर्ष से कम है, इस निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा जा सकता कि संभोग हुआ था। वास्तव में, पीड़िता ने 'शारीरिक संबंध' वाक्यांश का इस्तेमाल किया था, लेकिन इस बारे में कोई स्पष्टता नहीं है कि उसके कहने का क्या अर्थ था।

अदालत ने कहा, यहां तक कि 'संबंध बनाया' शब्द का उपयोग भी पॉक्सो अधिनियम की धारा 3 या आईपीसी की धारा 376 के तहत अपराध साबित करने के लिए पर्याप्त नहीं है। हालांकि पॉक्सो अधिनियम के तहत, अगर लड़की नाबालिग है तो सहमति मायने नहीं रखती। शारीरिक संबंध वाक्यांश को अपने आप संभोग नहीं माना जा सकता। यौन उत्पीड़न की बात तो न ही की जाए।

अदालत ने कहा कि आरोपी को संदेह का लाभ मिलना चाहिए।

अदालत ने कहा, (निचली अदालत के) फैसले में किसी भी तर्क का पूरी तरह अभाव है। यह सजा के लिए किसी भी तर्क को प्रकट या समर्थन नहीं करता है।

रिलायंस की जामनगर 'सुपर' रिफाइनरी ने परिचालन के 25 वर्ष पूरे किए

नई दिल्ली/भाषा

रिलायंस ने गुजरात के जामनगर में 25 साल पहले, 28 दिसंबर, 1999 को अपनी पहली रिफाइनरी शुरू की थी। इस रिफाइनरी ने रातों-रात भारत को ईंधन की कमी वाले देश से आत्मनिर्भर और बाद में अधिशेष वाले देश में बदल दिया, जिससे यूरोप और अमेरिका को गैसोलीन और गैसोइल का निर्यात किया जाने लगा। आज, जामनगर दुनिया का रिफाइनिंग केंद्र बन गया है। यह एक ऐसा इंजीनियरिंग चमत्कार है जो भारत का गौरव है।

जब भारत की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने पहली बार जमीन से और समुद्र तल से निकाले गए कच्चे तेल को पेट्रोल (गैसोलीन) और डीजल (गैसोइल) जैसे ईंधन में परिवर्तित करने के लिए एक तेल रिफाइनरी बनाने की बात की थी, तो अधिकांश विशेषज्ञों ने कहा था कि किसी भारतीय कंपनी के लिए तीन साल में दुनिया की सबसे बड़ी जमीनी स्तर की रिफाइनरी स्थापित करना असंभव होगा।

लेकिन मामले से अवगत सूत्रों ने बताया कि रिलायंस ने यह उपलब्धि मात्र 33 महीने के विश्व रिकॉर्ड समय में हासिल कर ली, जबकि उस समय बुनियादी ढांचे का अभाव था और जामनगर में भीषण चक्रवात आया था।

इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि 2.7 करोड़ टन प्रति वर्ष (560,000 बैरल प्रति दिन) क्षमता वाली इकाई का निर्माण एशिया में समकालीन रिफाइनरियों की तुलना में लगभग 40 प्रतिशत कम लागत (प्रति टन) पर किया गया था। बाद में इस इकाई का विस्तार करके इसे 3.3 करोड़ टन कर दिया गया।

जब रिलायंस के संस्थापक चेयरमैन धीरूभाई अंबानी रिफाइनरी स्थापित करने के अपने लंबे समय के सपने को पूरा करना चाहते थे, तो उन्हें जामनगर के पास बंजर और उजाड़ क्षेत्र में मोतीखावड़ी नामक एक शांत गांव के पास जमीन की पेशकश की गई थी।

अग्रणी विश्वस्तरीय परियोजना सलाहकारों ने धीरूभाई को रेगिस्तान जैसे क्षेत्र में निवेश न करने की सलाह दी, जहां सड़कें, बिजली या यहां तक कि पर्याप्त पेयजल भी नहीं था। उन्होंने चेतावनी दी थी कि ऐसे जंगल में जनशक्ति, सामग्री, तकनीकी विशेषज्ञ और हर अन्य इनपुट जुटाने के लिए असाधारण प्रयासों की आवश्यकता होगी।

साथी नेताओं को डरा व भ्रमित कर रखते हैं केजरीवाल: सचदेवा

नई दिल्ली/एजेन्सी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अपने साथी नेताओं को डराकर तथा राजनीतिक रूप से भ्रमित करके रखते हैं।

सचदेवा ने रविवार को केजरीवाल के उस बयान पर टिप्पणी करते हुए ये बातें कहीं, जिसमें केजरीवाल ने कहा था कि भाजपा ने जांच एजेंसियों को दिल्ली विधानसभा चुनाव के पहले आप नेताओं के यहां छापे मारने तथा परिवहन विभाग में फर्जी मामला बना कर मुख्यमंत्री आतिशी को गिरफ्तार करने का आदेश दिया है। सचदेवा ने केजरीवाल के इस बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि दिल्ली के परिवहन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रशांत गोयल द्वारा मुख्यमंत्री को भेजे प्रशासनिक नोट (जिसमें उन्होंने स्पष्ट किया है कि परिवहन विभाग में मुख्यमंत्री के विरुद्ध किसी प्रकार की जांच नहीं चल रही है) ने पूर्व मुख्यमंत्री के झूठे दावों की पोल खोल दी है। उन्होंने कहा कि हम काफी समय से कहते रहे हैं कि केजरीवाल अपने साथी नेताओं को डरा कर तथा राजनीतिक रूप से भ्रमित करके रखते हैं और वही भ्रमजाल उन्होंने सुश्री आतिशी की जांच और सम्भावित गिरफ्तारी को लेकर भी फैलाना चाहा, लेकिन परिवहन विभाग के अधिकारी ने उनके षडयंत्र की पोल खोल दी है।

बहुचर्चित शराब घोटाले में ईडी ने की 15 घंटे तक छापेमारी

रायपुर/एजेन्सी। छत्तीसगढ़ के चर्चित 2000 करोड़ के शराब घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को पांच जगहों पर 15 घंटे तक छापेमारी की। इसमें पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा, बेटे हरीश लखमा और उनसे जुड़े लोगों के ठिकाने पर छापेमारी की गई। इस दौरान ईडी ने कुछ लोगों को हिरासत में भी लिया है।

वहीं, कवासी और उनके बेटे समेत कुछ लोगों को समन जारी किया है। छापेमारी के दूसरे दिन कवासी लखमा ने कहा कि सोमवार को उन्हें और उनके बेटे को पूछताछ के लिए बुलाया गया है। उन्होंने कहा,ईडी का छापा राजनीति से प्रेरित है। विधानसभा में सरकार के खिलाफ बोलने और बड़े घोटाले को उजागर करने पर छापा मारा गया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) बदनाम करने की राजनीति कर रही है। मुझे एपी त्रिपाठी जैसे अधिकारियों ने अंधेरे में रखा। मैं अनपढ़ हूं। अधिकारियों ने गड़बड़ी की है। अधिकारी जो दस्तखत लेकर आते थे, उस पर मैं सिर्फ दस्तखत करता था। अधिकारी ही कागज को पढ़ते लिखते थे। मेरे घर से एक कागज तक नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि मुझे इस घोटाले के बारे में कोई जानकारी नहीं है। मुझसे संपत्ति की जानकारी मांगी गई है। समय मांगा है, पूरी जानकारी दूंगा।

कांग्रेस पार्टी का 'क्षरण' हो चुका है : शर्मिष्ठा मुखर्जी

नई दिल्ली/भाषा

पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने रविवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस का 'क्षरण' हो चुका है और उन्होंने पार्टी में ''दुखद स्थिति'' पर गंभीर आत्मचिंतन की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने अफसोस जताया कि पार्टी की मौजूदा स्थिति और शीर्ष नेताओं के बीच विचारधारा की कमी के कारण कई पुराने कांग्रेस कार्यकर्ता आज अलग-थलग महसूस कर रहे हैं।

शर्मिष्ठा ने यह भी सवाल उठाया कि उनके पिता के निधन के बाद कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक क्यों नहीं बुलाई गई और कोई प्रस्ताव क्यों पारित नहीं किया गया।

शर्मिष्ठा ने कहा कि उन्हें बुरा लगा जब उनके पिता के निधन के बाद सीडब्ल्यूसी की कोई बैठक नहीं बुलाई गई। सीडब्ल्यूसी कांग्रेस की निर्णय लेने वाली सर्वोच्च इकाई है। उन्होंने सवाल किया, कांग्रेस को इसके लिए जवाब देना होगा। मैं केवल तथ्य बता सकती हूं। लेकिन मैं बस इतना जोड़ना चाहती हूं कि मुझे नहीं पता कि यह जानबूझकर किया गया या सरासर लापरवाही थी। इतनी पुरानी पार्टी में क्या परंपराएं हैं?''

शर्मिष्ठा ने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, यदि संस्थागत स्मृति का यह क्षरण हुआ है, यदि राहुल गांधी और उनके आसपास के लोग यह नहीं जानते कि कांग्रेस ने इन पूर्व स्थितियों में किस प्रकार कार्य किया, तो यह अपने आप में कांग्रेस के भीतर गंभीर और दुखद स्थिति है।

कांग्रेस में नेहरू-गांधी परिवार के बाहर के नेताओं के योगदान को मान्यता देने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि (पूर्व प्रधानमंत्री) पी वी नरसिंह राव के साथ क्या किया गया था। उन्होंने कहा, कांग्रेस का पूरा तंत्र, यानी उसका सोशल मीडिया, इस मुद्दे पर तथा कुछ अन्य मुद्दों पर मुझे और मेरे पिता को लगातार निशाना बना रहा था। मेरे और मेरे पिता जैसे सबसे बड़े नेताओं में से एक के खिलाफ जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया गया, उससे पता चलता है कि कांग्रेस का वास्तव में क्षरण हो चुका है।

शर्मिष्ठा ने कहा, कांग्रेस को सोशल मीडिया पर ट्रोल करने की बजाय गंभीरता से आत्मचिंतन करना चाहिए कि मेरे जैसा व्यक्ति, जो कांग्रेस विचारधारा में कट्टर विश्वास करता था, आज पार्टी से अलग-थलग क्यों महसूस कर रहा है।

इससे पहले, एक्स' पर एक पोस्ट में शर्मिष्ठा ने कहा था, जब बाबा का निधन हुआ, तो कांग्रेस ने शोक सभा के लिए सीडब्ल्यूसी की बैठक बुलाने की भी जहमत नहीं उठाई। एक वरिष्ठ नेता ने मुझसे कहा कि राष्ट्रपतियों के लिए ऐसा नहीं किया जाता। यह पूरी तरह से बकवास है क्योंकि बाद में मुझे बाबा की डायरी से पता चला कि के आर नारायणन के निधन पर, सीडब्ल्यूसी को बुलाया गया था और शोक संदेश बाबा द्वारा ही तैयार किया गया था।

हालांकि, उन्होंने सिंह के लिए एक स्मारक बनाने की वकालत की और कहा कि देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न भी पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को मरणोपरांत दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, मैं इस बारे में कुछ नहीं कहना चाहूंगी, मैं अब कांग्रेस से जुड़ी हुई नहीं हूं, मैंने राजनीति छोड़ दी है। कांग्रेस को यह स्पष्ट करने की जरूरत है कि राहुल गांधी ने क्या कहा है।

कुंभमेला

प्रयागराज में एक साधु रविवार को महाकुंभ मेला क्षेत्र में अपनी सुबह की रस्में करता हुआ।

ठेकेदार आत्महत्या मामला

प्रियंक खरगे के करीबी सहयोगी समेत छह लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कलबुर्गी। भाजपा विधायक बसवराज मत्तिमाडु और अन्य नेताओं की हत्या की साजिश रचने के मामले में कर्नाटक के मंत्री प्रियंक खरगे के करीबी सहयोगी राजू कपनूर और पांच अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। यह मामला सचिन पांचाल नामक ठेकेदार द्वारा लिखे गए सुसाइड नोट के आधार पर दर्ज किया गया है, जिसमें दावा किया गया था कि कांग्रेस नेताओं ने मत्तिमाडु, अंडोला मठ के सिद्धलिंग स्वामी, भाजपा नेता मणिकांत राठौड़ और चंद्र पाटिल की हत्या की साजिश रची थी।

बीदर के रहने वाले पांचाल ने बृहस्पतिवार को एक ट्रेन के सामने कूदकर कथित तौर पर अपनी जान दे दी। अपने सुसाइड नोट में उन्होंने कपनूर और उनके सहयोगियों पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। इस बीच, बीदर जिले के प्रभारी मंत्री ईश्वर खांडरे भालकी तालुक में पांचाल के घर पहुंचे। जैसे ही अधिकारी पांचाल के घर पहुंचे, परिवार के गुस्साए सदस्यों ने उन्हें वहां से चले जाने के लिए कहा और सचिन की मौत के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया।

खांडरे ने उन्हें सांत्वना दी और आश्वासन दिया कि मौत के मामले में शामिल दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने परिवार के सदस्यों से कहा, सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि न्याय हो और दोषियों को सजा मिले। सरकार आपके साथ है। बाद में, मंत्री ने पांचाल के परिवार के सदस्यों को 10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

उन्होंने कहा, ''मैंने परिवार के सदस्यों से बात की, जिन्होंने मुझसे शिकायत की कि पुलिस ने मामला दर्ज करने से इनकार कर दिया। मैंने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से बात की है। कुछ पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है।''

खांडरे ने कहा कि राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) आत्महत्या मामले की जांच कर रही है और सरकार जांच को आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) को सौंपने पर भी विचार करेगी। वहीं, भाजपा ने मांग की है कि मामले को सीबीआई को सौंप दिया जाना चाहिए। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने एक बयान में कहा, बीदर के ठेकेदार पांचाल ने मंत्री प्रियंक खरगे के करीबी राजू द्वारा परेशान किए जाने के कारण आत्महत्या कर ली थी।

पांचाल द्वारा लिखे गए सुसाइड नोट से यह चौंकाने वाली और गंभीर जानकारी सामने आई है कि हमारे विधायक बसवराज मत्तीमाडु, भाजपा नेताओं चंदू पाटिल, मणिकांत राठौड़ और अंडोला स्वामी की हत्या के लिए 'सुपारी' दी गई थी।''

पार्टी सूत्रों ने बताया कि विजयेंद्र और भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने भी जल्द ही पांचाल के घर जाने का फैसला किया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे प्रियंक ने भाजपा पर उनके खिलाफ बेबुनियाद आरोप लगाने और सचिन की मौत का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। प्रियंक ने कहा कि पांचाल के सुसाइड नोट में कहीं भी उनका नाम नहीं है। उन्होंने कहा कि पांचाल और कपनूर के बीच वित्तीय लेन-देन हुआ था, जिसकी जांच होनी चाहिए।

भाजपा ने पूछा- क्या खरगे पर लागू नहीं होता अंबेडकर का संविधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में विपक्षी दल भाजपा ने एक ठेकेदार की कथित आत्महत्या को लेकर रविवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर निशाना साधा और पूछा कि क्या संविधान उनके परिवार पर लागू नहीं होता। नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक ने एक बयान में आरोप लगाया कि बीदर में रहने वाले सिविल ठेकेदार सचिन पांचाल की आत्महत्या के लिए खरगे के बेटे और राज्य के मंत्री प्रियंक खरगे जिम्मेदार हैं। उन्होंने बयान में कहा, क्या (बी.आर.) अंबेडकर का संविधान खरगे परिवार पर लागू नहीं होता? भाजपा नेता ने कहा कि हर किसी को उपदेश देने वाले प्रियंक खरगे को इस्तीफा देकर नैतिकता का परिचय देना चाहिए। अशोक ने दावा किया कि ठेकेदार पांचाल की मौत के मामले में प्रियंक खरगे के करीबी शामिल हैं। पांचाल ने कथित तौर पर बृहस्पतिवार को ट्रेन के सामने आकर आत्महत्या कर ली थी।

पांचाल ने कथित सुसाइड नोट में अपनी मौत के लिए प्रियंक खरगे के करीबी सहयोगी राजू कपनूर को जिम्मेदार ठहराया और उन पर पैसों के लिए जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया। प्रियंक खरगे ने आरोप को खारिज करते हुए कहा कि सुसाइड नोट में उनके नाम का जिक्र नहीं है। उन्होंने मामले की पुलिस जांच की मांग की।

विरोध

रविवार को बेंगलूरु के कब्बन पार्क में कब्बन पार्क वॉकर्स एसोसिएशन के सदस्यों ने पार्क में मोमबत्ती जलाकर विरोध प्रदर्शन किया और सरकार से कब्बन पार्क परिसर में सभी नए साल की पूर्व संध्या समारोहों को रद्द करने का आग्रह किया। क्योंकि इससे पार्क के नियमों का उल्लंघन होता है और वन्यजीवों को संभावित परेशानी होती है।

मंगलूरु में युवाओं के बीच मादक पदार्थ की लत बढ़ी

इस साल 6.6 करोड़ रुपये की एमडीएमए बरामद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। मंगलूरु में युवाओं विशेषकर यहां अध्ययनरत छात्र-छात्राओं में कृत्रिम मादक पदार्थ लेने की लत में भारी बढ़ोतरी दर्ज की गयी है। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2023 की तुलना में इस वर्ष लगभग तीन गुना मिथाइलीन डाइऑक्सी मेथमफेटामाइन (एमडीएमए) बरामद किया गया जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग छह करोड़, 60 लाख रुपये आंकी गयी है। एमडीएमए एक तरह का कृत्रिम मादक पदार्थ है।

मंगलूरु के पुलिस आयुक्त अनुपम अग्रवाल ने यहां पीटीआई-भाषा' को बताया कि पुलिस ने इस

वर्ष मंगलूरु में अब तक कुल छह करोड़, 59 लाख, 54 हजार, 260 रुपये मूल्य का 7.305 किलोग्राम कृत्रिम मादक पदार्थ बरामद किया है, जबकि वर्ष 2023 में बरामद की गई यह मात्रा 2.420 किलोग्राम थी।

इसके कारणों के बारे में पूछे जाने पर अग्रवाल ने कहा कि रंग-बिरंगी गोलियों और कैप्सूल के रूप में बिकने वाले इन कृत्रिम मादक पदार्थों की छात्र-छात्राओं तक आपूर्ति और इनका मनमाना इस्तेमाल आसान है जिसके चलते नशे के रूप में इसके दुरुपयोग और तस्करी, दोनों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है।

पुलिस आयुक्त ने बताया कि मंगलूरु शहर में मादक पदार्थ लेने की लत में इस वर्ष पिछले वर्ष की तुलना में कुल 62 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गयी। उन्होंने बताया कि जहां इस साल नशे के रूप में मादक पदार्थ के इस्तेमाल और इसकी तस्करी के मामले में अब तक कुल 1372 लोगों की गिरफ्तारी हुई है जिनमें चार विदेशी नागरिक भी शामिल हैं।

अग्रवाल ने बताया कि पुलिस ने इस साल कृत्रिम मादक पदार्थ समेत जितने भी मादक पदार्थ बरामद किये उनकी कुल कीमत सात करोड़, 51 लाख, 73 हजार रुपये है, जबकि पिछले वर्ष पुलिस ने कुल एक करोड़, 71 लाख, 12 हजार रुपये के मादक पदार्थ बरामद किये थे।

हव्यक भाषा के विकास के लिए समर्थन करता हूं : कुमारस्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने हव्यक समुदाय को आश्वासन दिया कि अनूठी हव्यक भाषा को संरक्षित किया जाएगा। उन्होंने कहा, मैं हव्यक भाषा को बनाए रखने के इस प्रयास में आपके साथ खड़ा हूं। रविवार को आयोजित हव्यक सम्मेलन के तीसरे संस्करण के समापन सत्र में बोलते हुए उन्होंने हव्यक भाषा के विकास के लिए एक समर्पित अकादमी, विश्वविद्यालय और शोध केंद्र की स्थापना की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने आश्वासन दिया कि मैं इस उद्देश्य के लिए सभी प्रयासों का पूर्ण समर्थन करता हूँ।

सुपारी किसानों की चिंताओं को संबोधित करते हुए कुमारस्वामी ने कहा, हव्यका समुदाय, जो सुपारी की खेती में गहराई से शामिल है, को चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। मैं खुद एक सुपारी किसान हूँ और किसानों के सामने आने वाली चुनौतियों का प्रत्यक्ष अनुभव रखता हूँ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने इन मुद्दों को हल करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र ने पहले ही सुपारी अनुसंधान के लिए 10 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं और सुपारी किसानों के सामने आने वाली समस्याओं का समाधान करने के लिए कई पहल शुरू की हैं। ये प्रयास जारी रहेंगे।

कुमारस्वामी ने आश्वासन दिया, हम सुपारी किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध हैं। केंद्र सरकार में कार्यरत राज्य के अन्य मंत्रियों के साथ मिलकर मैं इन मुद्दों के समाधान के लिए गंभीरता से कदम उठाऊंगा। केंद्रीय मंत्री ने हव्यक समुदाय के प्रति अपनी प्रशंसा व्यक्त करते हुए कहा, यद्यपि आपका समुदाय संख्या में छोटा है, लेकिन आपका योगदान, बुद्धिमत्ता और उपलब्धियां अपार हैं। आपने हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण छाप छोड़ी है।

उन्होंने कहा, अपनी छोटी आबादी पर ध्यान मत दीजिए। हव्यक समुदाय का योगदान बड़े समुदायों के बराबर है। चाहे वह साहित्य हो, संगीत हो, कला हो या मीडिया हो, आपके समुदाय ने अमिट छाप छोड़ी है। कुमारस्वामी ने ग्रामीण क्षेत्रों की चिंताओं को दूर करने की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला।

विश्ववाणी के संपादक विश्वेश्वर भट का हवाला देते हुए, जिन्होंने बताया कि गांव वृद्धाश्रम जैसे होते जा रहे हैं, कुमारस्वामी ने कहा, हम अपने गांवों का सार खो रहे हैं। यह गंभीर चिंता का विषय है। कई गांवों में बुनियादी ढांचे की कमी है, और हमें इस स्थिति को सुधारने की दिशा में काम करना चाहिए। उन्होंने आगे जोर देते हुए कहा, हमारे पूर्वज बहुत अनुशासन के साथ रहते थे, लेकिन आज ऐसे अनुशासन की कमी है, न केवल गांवों में बल्कि शहरी क्षेत्रों में भी। अनुशासन के बिना प्रगति असंभव है।

कुमारस्वामी ने हव्यक समुदाय की गर्मजोशी और आतिथ्य को याद करते हुए कहा, कई साल पहले, मैं दिवंगत रामकृष्ण हेगड़े के भाई गणेश हेगड़े के घर गया था। उनकी पत्नी ने मेरे साथ अपने बेटे की तरह व्यवहार किया और अपार स्नेह दिखाया। मुझे आज भी वह पल अच्छी तरह याद है।

इस कार्यक्रम में कई धार्मिक नेताओं की उपस्थिति रही, जिनमें रामचंद्रपुरा मठ के श्री राघवेश्वर भारती स्वामीजी, हरिहर पंचमसाली मठ के श्री वचनानंद स्वामीजी और श्रृंगेरी मठ के श्री अभिनव शंकर भारती स्वामीजी शामिल थे। कांची कामकोटि पीठम के श्री विजयेंद्र सरस्वती स्वामीजी अपना आशीर्वाद देने के लिए ऑनलाइन शामिल हुए। प्रमुख उपस्थित लोगों में पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येडीयुरप्पा, सम्मेलन के मानद अध्यक्ष और सांसद विश्वेश्वर हेगड़े कागेरी, होरानाडु विधायक भीमेश्वर जोशी, पूर्व मंत्री सीटी रवि, 'विश्ववाणी' के संपादक विश्वेश्वर भट्ट, 'कन्नड़ प्रभा' समूह के संपादक रवि हेगड़े, मलनाड विकास बोर्ड के अध्यक्ष मंजूनाथ गौड़ा और हव्यक महासभा के अध्यक्ष गिरिधर काजे शामिल थे।

अयप्पा के एक और भक्त की मौत, सिलेंडर विस्फोट में मरने वालों की संख्या छह हुई

हुब्बल्ली। सिलेंडर विस्फोट में झुलसे एक और अयप्पा भक्त की रविवार सुबह यहां मौत हो गई, जिससे मृतकों की कुल संख्या छह हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि रविवार मंजूनाथ वाघमोर (22) की मौत हो गयी। वह उन नौ अयप्पा भक्तों में शामिल थे, जो 24 दिसंबर को एक कमरे में आग लगने की घटना में झुलस गए थे। उसने बताया कि ये श्रद्धालु उसी कमरे में ठहरे हुए थे और आग की घटना गैस सिलेंडर विस्फोट के कारण घटी। सभी को अस्पताल ले जाया गया। घायलों में से छह लोगों की मौत हो गई है, जिनमें वाघमोर भी शामिल हैं। ये श्रद्धालु एक साथ केरल के अयप्पा मंदिर जाने की योजना बना रहे थे।

प्राचीन तमिल भाषा का विस्तार भारत का गौरव : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि देश की सबसे प्राचीन भाषा तमिल बोलने वालों की संख्या दुनिया में लगातार बढ़ रही है और यह भारत के गौरव का प्रतीक है। मोदी ने रविवार को आकाशवाणी से प्रसारित अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा 'ये हमारे लिए बहुत गर्व की बात है कि दुनिया की सबसे प्राचीन भाषा तमिल है और हर हिन्दुस्तानी को इसका गर्व है।'

उन्होंने कहा 'दुनियाभर के देशों में इसे सीखने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

हंपी की दृढ़ता और प्रतिभा लाखों लोगों को प्रेरित करने वाली : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ग्रैंडमास्टर कोनेरू हंपी की अपने करियर में दो बार फिडे महिला विश्व रैपिड शतरंज चैंपियनशिप का खिताब जीतने की उपलब्धि की सराहना की। हंपी ने रविवार को न्यूयॉर्क में इंडोनेशिया की आइरीन सुकंदर को हराकर चैंपियन बनने के साथ ही भारतीय शतरंज के लिए इस साल को और भी शानदार बना दिया। उन्होंने 2019 में जॉर्जिया में यह प्रतियोगिता जीती थी । भारत की यह शीर्ष खिलाड़ी चीन की जू वेनजुन के बाद एक से अधिक बार खिताब जीतने वाली दूसरी खिलाड़ी हैं।

मोदी ने 'एक्स' पर हंपी को टैग

करते हुए लिखा, हंपी को 2024 फिडे महिला विश्व रैपिड चैंपियनशिप जीतने पर बधाई। उनकी दृढ़ता और प्रतिभा लाखों लोगों को प्रेरित करती है। हंपी की उपलब्धि के साथ भारतीय शतरंज के लिए एक शानदार वर्ष का अंत हुआ। इससे पहले डी गुकेश हाल ही में सिंगापुर में क्लासिकल प्रारूप विश्व चैंपियनशिप में चीन के डिंग लिरेन को हराकर चैंपियन बने थे। सितंबर में भारत ने बुडापेस्ट में शतरंज ओलंपियाड में पहली बार ओपन और महिला वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था।

मोदी ने कहा, यह जीत और भी ऐतिहासिक है क्योंकि यह उनका दूसरा विश्व रैपिड चैंपियनशिप खिताब है। वह इस अविश्वसनीय उपलब्धि को हासिल करने वाली इकलौती भारतीय बन गई हैं। हंपी ने कहा कि उनकी जीत अब अन्य भारतीयों को शतरंज खेलने के लिए प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि भारत के लिए यह सही समय है। हमारे पास विश्व चैंपियन के रूप में गुकेश है और अब मुझे रैपिड प्रतियोगिता में दूसरा विश्व खिताब मिला है। इसलिए मुझे लगता है कि यह बहुत से युवाओं को पेशेवर रूप से शतरंज खेलने के लिए प्रेरित करेगा।

परीक्षा

रविवार को बेंगलूरु के सरकारी जूनियर कॉलेज मल्लेश्वरम में केपीएससी के राजपत्रित परिवीक्षार्थियों के ग्रुप ए और बी की परीक्षा देने के लिए अभ्यर्थी पहुंचे।

राजनेताओं को क्रिकेट से दूर रखें : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने रविवार को कहा कि खेल को स्वच्छ बनाए रखने के लिए राजनेताओं को क्रिकेट से दूर रखा जाना चाहिए। पूर्व भारतीय विकेटकीपर सैयद किरमानी की आत्मकथा का विमोचन करने के बाद उन्होंने कहा, राजनेताओं को क्रिकेट से दूर रखा जाना चाहिए। राजनेता खेल के लिए खतरनाक हैं और मेरी निजी राय में उन्हें दूर रखा जाना चाहिए। खेल का संचालन क्रिकेट खिलाड़ियों द्वारा ही किया जाना चाहिए।

किरमानी एक अच्छे इंसान हैं और उनका दिल भी साफ है। मैं यहां उपमुख्यमंत्री के तौर पर नहीं बल्कि किरमानी के प्रशंसक के तौर पर आया हूं। उन्होंने राज्य और देश को गौरवान्वित किया है। जब मैं स्कूल में था, तो मैं चंद्रशेखर, जीआर विश्वनाथ और किरमानी का प्रशंसक था। जब मैं स्कूल में था, तो मैं एक सहपाठी के जरिए मैचों के टिकट

लेता था, जो केएससीए सचिव का बेटा था। मैं टिकटों के लिए केएससीए को पत्र लिखता था और उन्हें अपने अनुयायियों में बांटता था। इससे मुझे तब एक तरह का नेता बनने में मदद मिली।

उन्होंने कहा, उस समय शायद ही कोई प्रशिक्षण केंद्र था, फिर भी हमारे क्रिकेटरों ने राज्य और देश को गौरवान्वित किया है। एक बार जब हम शीर्ष पर पहुंच जाते हैं, तो शीर्ष पर बने रहने के लिए अच्छा चरित्र महत्वपूर्ण होता है। किरमानी इसका एक बेहतरीन उदाहरण हैं। उन्होंने कहा, जैसा कि कपिल देव ने कहा था, अनुभव का कोई विकल्प नहीं है। अनुभव से परिपक्वता आती है। किरमानी अच्छे दोस्त हैं। हाल ही में किरमानी के साथ मैं फारूक अब्दुल्ला से मिला। वह हमेशा मुस्कुराते रहते हैं, ईश्वर करे कि वह मुस्कुराते हुए लंबी उम्र जिएं। उन्होंने 88 टेस्ट मैच खेले हैं, उन्हें 100 मैच खेलने चाहिए थे।

उन्होंने कहा, मैंने काफी समय पहले 2000 रुपये देकर केएससीए की सदस्यता हासिल की थी। मैं यहां केएससीए सदस्य और किरमानी के प्रशंसक के तौर पर आया हूं। मैं बहुत खुश हूं कि प्रबंध समिति में कोई राजनेता नहीं है। उन्होंने कहा, मैं यहां इतने सारे क्रिकेटरों को देखकर बहुत खुश हूं। भगवान किरमानी को आशीर्वाद दें और मैं उनकी आत्मकथा के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

कोटा में छात्रों की आत्महत्या के मामलों में पिछले साल की तुलना में 50 प्रतिशत की कमी : जिलाधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। आईआईटी-जेईई (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-संयुक्त प्रवेश परीक्षा) के लिए छात्रों को तैयार करने को लेकर मशहूर राजस्थान के कोचिंग केंद्र कोटा में 2023 की तुलना में इस साल छात्रों की आत्महत्या के मामलों में 50 प्रतिशत की कमी आई है। कोटा जिलाधिकारी रवींद्र गोस्वामी ने एक संक्षिप्त साक्षात्कार में 'पीटीआई-भाषा' से कहा, पिछले साल की तुलना में इस साल कोचिंग संस्थानों के छात्रों की आत्महत्या की घटनाओं की दर में 50 प्रतिशत की कमी आई है। आत्महत्या के मामालों को रोकने के प्रयासों के परिणाम के संदर्भ में यह आंकड़ा महत्वपूर्ण है। हमें उम्मीद है कि यह कमी भविष्य में भी जारी रहेगी।

रिपोर्ट के अनुसार, कोटा में 2024 में कोचिंग छात्रों की आत्महत्या के 17 मामले सामने आए जबकि 2023 में ऐसे 26 मामले दर्ज किए गए थे। गोस्वामी ने कहा कि आत्महत्या के मामलों में कमी का श्रेय कोचिंग संस्थानों और छात्रावासों के लिए दिशा-निर्देशों के जिला प्रशासन की निगरानी में सख्त अनुपालन को दिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मानदंडों के आधार पर छात्रावास वार्डन के लिए 'गेट-कीपर' प्रशिक्षण और 'एसओएस हेल्प' सेवाओं के कार्यान्वयन ने भी आत्महत्या के मामलों में कमी लाने में योगदान दिया है।

गोस्वामी ने कहा कि 'डिनर विद कलेक्टर' और 'संवाद' जैसे आयोजनों के माध्यम से कोचिंग संस्थानों के छात्रों के साथ नियमित संवादात्मक सत्रों तथा महिलाओं एवं परीक्षार्थी छात्राओं की सुरक्षा के लिए कालिका दस्ते की तैनाती ने यह बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

जिलाधिकारी ने कहा कि उन्होंने इस वर्ष 'डिनर विद कलेक्टर' और 'संवाद' जैसे आयोजनों के माध्यम से कोचिंग संस्थानों के 25,000 से अधिक छात्रों के साथ बातचीत की जिसमें उन्होंने उनकी चिंताओं को दूर करने का प्रयास किया। बहरहाल, उद्योग से जुड़े हितधारकों ने बताया है कि छात्रों की आत्महत्या की घटनाओं के कारण हुए नकारात्मक प्रचार, कोचिंग केंद्रों को विनियमित करने वाले नए दिशानिर्देशों और अन्य शहरों में विभिन्न कोचिंग ब्रांड के विस्तार के कारण कोटा में कोचिंग केंद्रों और छात्रावासों का कारोबार धीमा हो गया है।

उन्होंने बताया कि कोटा में छात्रों की संख्या इस वर्ष घटकर 85,000 से एक लाख तक रह गई है, जो सामान्यतः दो-ढाई लाख होती थी। इससे वार्षिक राजस्व में कमी आई है जो 6,500-7,000 करोड़ रुपये से घटकर 3,500 करोड़ रुपये रह गया है। गोस्वामी ने 'कोटा केयर्स' नामक कार्यक्रम शुरू किए जाने का भी उल्लेख किया, जो कोचिंग संस्थानों के छात्रों के कल्याण और उनकी सुरक्षा को लेकर प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

रसायन रहित बागवानी खेती ही कारगर, प्राकृतिक उद्यानिकी खेती को मिले बढ़ावा : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने कृषि उद्यानिकी के तहत प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिए जाने का आह्वान करते हुए कहा है कि कृषि विश्वविद्यालयों को देश में रसायन रहित कृषि के लिए वातावरण निर्माण किए जाने की जरूरत है। बागड़े रविवार को अखिल भारतीय कृषि विश्वविद्यालय कुलपति संघ द्वारा उद्यानिकी फसलों के संरक्षण विषयक आयोजित 16वीं राष्ट्रीय संगोष्ठी में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि रासायनिक उर्वरकों के अधिक प्रयोग से रोग ही नहीं बढ़ रहे बल्कि धरती की उर्वरा शक्ति भी नष्ट हो रही है। उन्होंने उद्यानिकी फसलों की संरक्षित खेती के लिए कार्य किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने पानी बचाकर उसके निर्माण के लिए भी देशभर में कार्य करने का आह्वान किया।

उन्होंने कम पानी से होने वाली फसलों, फल, फसलों को प्राकृतिक प्रकोप से बचाने के लिए सभी स्तरों पर प्रयास किए जाने पर भी जोर दिया। उन्होंने सभी कृषि विश्वविद्यालयों में सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए भी आवश्यक रूप से कार्य करने की आवश्यकता जताई। राज्यपाल ने प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक स्वामीनाथन द्वारा 2008 में प्रस्तुत कृषि सुधारों की बनी समिति के सुझावों पर चर्चा करते हुए कहा कि लाभकारी कृषि के लिए केंद्र सरकार निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कृषि उद्यानिकी के प्राचीन ज्ञान के आलोक में कृषि की नवीन तकनीक से खेती को लाभकारी किए जाने पर जोर दिया।

बागड़े ने कहा कि हमारे यहां धीरे धीरे जंगल कम होता जा रहा है। पहले अनाज जब नहीं होता था और खेती की पैदावार नहीं थी तब उद्यानिकी फसलों पर ही मनुष्य निर्भर था। पर धीरे धीरे इस दिशा में ध्यान नहीं देने के कारण जंगलों में बहुत सी उद्यानिकी फसलें लोप हो गई। उन्होंने स्थान विशेष की जलवायु के अनुरूप उद्यानिकी फसलों के अधिकाधिक उत्पादन के लिए कार्य किए जाने का आह्वान किया। राज्यपाल ने आरंभ में विश्वविद्यालय के अंतर्गत सेंटर ऑफ एक्सीलेंसी फॉर टिश्यू कल्चर का शिलान्यास किया। उन्होंने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के तहत गेंहू और अन्य नवीन कृषि उत्पाद प्रौद्योगिकी का भी शुभारंभ किया वहीं उन्होंने माइक्रोस्कोप से फसलों में सूक्ष्म कीट परीक्षण भी किया और विश्वविद्यालय के प्रकाशनों का लोकार्पण किया। आरंभ में कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलराज सिंह ने संरक्षित खेती के साथ राष्ट्रीय सिंपोजियम के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर पद्मडा. बी. एस. ढिल्लो, अखिल भारतीय कृषि विश्वविद्यालय के अध्यक्ष और बागवानी विश्वविद्यालय उत्तराखंड के कुलपति प्रो. परविंदर कौशल, अखिल भारतीय कृषि विश्वविद्यालय कुलपति संघ के कार्यकारी सचिव प्रो. दिनेश कुमार ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सुना 'मन की बात' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री का उद्बोधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम के 117वें संस्करण में देशवासियों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सीएमआर पर मंत्रिपरिषद के सदस्य, सांसद एवं विधायकगण के साथ प्रधानमंत्री के सम्बोधन को सुना। मोदी ने कहा कि 2025 में 26 जनवरी को संविधान लागू होने के 75 साल पूरे हो रहे हैं। ये हमारे लिए गर्व की बात हैं। संविधान हमारे लिए गाइडिंग लाइट है, हमारा मार्गदर्शक है। संविधान की वजह से ही आज मैं आपसे बात कर पा रहा हूं। उन्होंने कहा कि इस साल 26 नवंबर को संविधान दिवस से एक साल तक चलने वाली कई एक्टीविटिज शुरू हुई हैं। देश के नागरिकों को संविधान की विरासत से जोड़ने के लिए लेपींळीींळेप75.ेलो नाम से एक खास वेबसाइट भी बनाई गई है। इसमें आप संविधान की प्रस्तावना पढ़कर अपना वीडियो अपलोड कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' में उद्बोधन सदैव देशवासियों के लिए प्रेरणादायी होते हैं। उनको सुनकर नवीन ऊर्जा का संचार होता है। देश निरन्तर उपलब्धियां हासिल कर रहा है, उसको जानकर हमें गर्व की अनुभूति होती है। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश 'विकसित भारत' के पथ पर तेजी से अग्रसर है। स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवहन, वाणिज्य, रक्षा, तकनीक एवं सांस्कृतिक आदि क्षेत्रों में भारत ने अभूतपूर्व प्रगति अर्जित की है। शर्मा ने कहा कि मोदी के विजन से विकास का इंजन दोगुनी रफ्तार से दौड़ रहा है, जिससे युवा, महिला, किसान एवं गरीब का उत्थान एवं कल्याण सुनिश्चित हो रहा है प्रधानमंत्री ने कहा कि जनवरी की 13 तारीख से प्रयागराज में महाकुंभ शुरू होने जा रहा है। महाकुंभ की विशेषता केवल इसकी विशालता में ही नहीं है बल्कि इसकी विविधता में भी है। इस आयोजन में करोड़ों लोग एक साथ एकत्रित होते हैं। लाखों संत, सैकड़ों संप्रदाय, अनेकों अखाड़े, हर कोई इस आयोजन का हिस्सा बनता है। कहीं कोई भेदभाव नहीं दिखता है, कोई बड़ा और छोटा नहीं होता है। अनेकता में एकता का ऐसा दृश्य विश्व में कहीं और देखने को नहीं मिलेगा। उन्होंने आमजन से आग्रह किया कि जब वे कुंभ में शामिल हों, तो एकता के इस संकल्प को अपने साथ लेकर वापस आयें। मोदी ने बताया कि इस बार प्रयागराज में देश और दुनिया के श्रद्धालु डिजिटल महाकुंभ के भी साक्षी बनेंगे।

मोदी ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में भारत की दो उपलब्धियां आज विश्व का ध्यान आकर्षित कर रही है। पहली उपलब्धि है मलेरिया से लड़ाई में। उन्होंने कहा कि 4 हजार से अधिक वर्षों तक मानवता के लिए मलेरिया बहुत बड़ी स्वास्थ्य चुनौती रहा है। देशवासियों ने इस चुनौती का दृढ़ता से सामना किया है। डब्ल्यूएचओ की एक रिपोर्ट बताती है कि भारत में 2015 से 2023 के बीच मलेरिया के मामलों और मौतों में 80 प्रतिशत की कमी आई है। यह सफलता जन-जन की भागीदारी से प्राप्त हो सकी है। उन्होंने कहा कि हमारी दृढ़शक्ति का दूसरा उदाहरण कैंसर के विरूद्ध लड़ाई है। जनजागृति एवं आयुष्मान भारत योजना से कैंसर के विरूद्ध लड़ाई में अपेक्षित सफलता मिली है। आयुष्मान भारत योजना ने पैसे की परेशानी को काफी हद तक कम किया है और लगभग 90 प्रतिशत मरीज समय पर कैंसर का इलाज शुरू करवा पा रहे हैं। मोदी ने कहा कि कैंसर के मुकाबले के लिए एक ही मंत्र है- अवेयरनेस, एक्शन और एश्योरेंस।

अशोक गहलोत का हमला: 9 जिलों की समाप्ति को बताया जनविरोधी, सरकार पर राजनीतिक पूर्वाग्रह का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए भजनलाल सरकार द्वारा 9 नए जिलों को समाप्त करने के फैसले की तीखी आलोचना की। उन्होंने कहा कि राजस्थान में लंबे समय से नए जिलों की मांग की जा रही है ताकि प्रशासनिक कार्यों को बेहतर बनाया जा सके और योजनाओं का क्रियान्वयन तेज़ हो। उन्होंने मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां राजस्थान से छोटे होने के बावजूद ज्यादा जिले हैं।

गहलोत ने सवाल उठाया कि अगर जिलों को समाप्त करना ही था, तो सरकार ने इसे बनने के एक साल बाद क्यों किया। उन्होंने दावा किया कि यह फैसला जल्दबाजी में लिया गया और इसमें पारदर्शिता की कमी है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस अधिकारी की रिपोर्ट के आधार पर यह फैसला लिया गया, वह भाजपा से जुड़ा है, जिससे यह कदम राजनीतिक पूर्वाग्रह से प्रेरित लगता है। अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य में डर और दबाव का माहौल बनाया गया है, जिसके कारण अधिकारी मजबूरी में बयान दे रहे हैं। उन्होंने इसे भाजपा का मैनेजमेंट बताया और कहा कि सरकार अपनी विफलताओं को छुपाने के लिए रिटायर्ड ब्यूरोक्रेट्स का सहारा ले रही है। गहलोत ने राज्य में विकास कार्यों की धीमी गति और प्रशासनिक लापरवाही पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मेट्रो और सड़क निर्माण जैसी परियोजनाओं को रोक दिया गया है, जिससे राज्य की छवि और अर्थव्यवस्था प्रभावित हो रही है। अपराध बढ़ने और महंगाई ने जनता के जीवन को और मुश्किल बना दिया है। उन्होंने जोधपुर का उदाहरण देते हुए कहा कि एक साल में 12-15 हत्याएं होना कानून व्यवस्था की विफलता को दर्शाता है। गहलोत ने मौजूदा मीडिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए कहा कि गोदी मीडिया के चलते लोकतंत्र खतरे में है। ईडी, सीबीआई और आयकर विभाग के डर से पत्रकार स्वतंत्रता से लिखने से कतराते हैं। उन्होंने इसे लोकतंत्र के लिए गंभीर चुनौती बताया। अशोक गहलोत ने भजनलाल सरकार के फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि यह कदम जनहित के खिलाफ है। उन्होंने पत्रकारों और नागरिक समाज से आग्रह किया कि वे इन मुद्दों को उठाएं और जनता को सच्चाई से अवगत कराएं। राजस्थान में नए जिलों की आवश्यकता और प्रशासनिक सुधार की बहस ने एक बार फिर से जोर पकड़ लिया है, और इस पर सरकार की आगे की कार्रवाई का जनता को इंतजार है।

राजस्थान के कुछ स्थानों पर हल्की बारिश, कई जगहों पर घना कोहरा

जयपुर। राजस्थान के पूर्वी हिस्सों में कहीं-कहीं हल्की बारिश हुई और अनेक स्थानों पर घना से अति घना कोहरा रहा। मौसम विभाग के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने बताया कि रविवार सुबह साढ़े आठ बजे तक पिछले 24 घंटों में कोटा में हल्की बारिश हुई, जबकि पश्चिमी राजस्थान में मौसम शुष्क रहा। उन्होंने बताया कि राजस्थान में जयपुर सहित अनेक शहरों में रविवार सुबह घने कोहरे के कारण दृश्यता 50 मीटर से भी कम दर्ज की गई। नागौर, सीकर, दौसा, भरतपुर, बाड़मेर, श्रीगंगानगर, चूरू, टोंक और कोटा में घने कोहरे के कारण राजमार्ग पर वाहन चालकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

राज्य में सबसे अधिक अधिकतम तापमान (24.5 डिग्री सेल्सियस) बाड़मेर में दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान (2.2 डिग्री सेल्सियस) माउंट आबू में दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि न्यूनतम तापमान सिरोही में 4.1 डिग्री, सीकर में 5.7 डिग्री, फतेहपुर में 6.2 डिग्री, चूरू और श्रीगंगानगर में 6.4 डिग्री, अजमेर में 6.9 डिग्री, पिलानी में सात डिग्री तथा संगरिया एवं जालौर में 7.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि राजधानी जयपुर में न्यूनतम तापमान 7.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उन्होंने आगामी दिनों में कड़ाके की सर्दी पड़ने और न्यूनतम तापमान में काफी गिरावट होने की संभावना जताई है।

यादव ने की डा सिंह के निधन पर राहुल के बयान की आलोचना

अलवर/दक्षिण भारत। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने पूर्व प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह के निधन पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की ओर से केंद्र सरकार पर की गई बयान बाजी की आलोचना की है। यादव ने यह बात रविवार को अलवर जिले के खैरथल में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कही। उन्होंने कहा है कि गांधी का यह बयान ऐसे मौके पर उन्हें शोभा नहीं देता। वह पूरी तरह से छोटी मानसिकता के व्यक्ति हैं।

उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह को लेकर राहुल गांधी का बयान को लेकर ऐसा लगा कि वह पूरी तरीके से राजनीति से प्रेरित है जो नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्मारक को लेकर और शोक संवेदना व्यक्त करने के लिए केबिनेट में शोक पारित किया गया ।नोट तैयार किया गया । सिंह के सहयोग को नहीं बुलाया जा सकता। वह आर्थिक जगत और देश के लिए जो योगदान दिया है उसे नहीं भूलाया जा सकता।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को शायद ये पता नहीं है की पूर्व प्रधानमंत्री नरसिंह राव की पार्थिव देह को कांग्रेस कार्यालय में भी नहीं घुसने दिया और दिल्ली में दाह संस्कार नहीं होने दिया। इसके अलावा पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के निधन पर कांग्रेस वर्किंग कमेटी में भी खेद व्यक्त नहीं किया और यह बात उनकी बेटी ने खुद ने कही है। यहां तक राहुल गांधी ने खुद ने मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री कार्यकाल के दौरान कैबिनेट का बिल फाड़ दिया जो पूरी तरीके से जनता जानती है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी छोटी मानसिकता के आदमी हैं। संसद में हुए पूरा बयान देते हैं लेकिन जब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) बोलती है तो हंगामा करते हैं । कांग्रेस सांसदों को उकसाते हैं।

यादव ने खैरथल तिजारा जिले को बरकरार रखने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि चुनावी सभा में भी खुद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने खैरथल और तिजारा और अलवर के विकास की बात कही थी।

उन्होंने कहा कि खैरथल जिला बनने के बाद पूरी तरह व्यवस्थित होगा और यहां का औद्योगिक विकास होगा। भिवाड़ी के विकास को लेकर उन्होंने कहा कि यहां कई एजेंसियां एक साथ काम कर रही हैं और समन्वय के साथ अगर काम करेंगे तो भिवाड़ी का विकास निश्चित रूप से होगा।

राजस्थान 2024 : राजनीतिक बदलाव का दौर; कोटा में छात्रों की आत्महत्या के कारण राजस्व में कमी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में साल 2024 का लेखा जोखा मिलाजुला रहा। पहली बार विधायक बने भजन लाल शर्मा के हाथों में भाजपा सरकार की कमान सौंपे जाने से साल की शुरूआत कुछ आशंकाओं के साथ हुई। कांग्रेस की कहानी भी कुछ नफे और कुछ नुकसान के साथ मिलीजुली रही और इसके साथ ही कोटा में छात्रों द्वारा आत्महत्या किए जाने के मामलों ने भी देश का ध्यान खींचा। राजस्थान के कोटा में छात्रों के आत्महत्या की बार-बार होने वाली घटनाओं ने देश के कोचिंग हब को एक बड़ा झटका दिया। आत्महत्याओं की घटनाओं से कोचिंग हब की अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव देखने को मिला। इसकी सालाना 6,500-7000 करोड़ रुपये की आय घटकर 3,000-3,500 करोड़ रुपये रह गई।

कई लोगों ने सवाल उठाया था कि क्या भाजपा द्वारा बहुत कम अनुभव वाले भजनलाल शर्मा पर भरोसा करना और अनुभवी वसुंधरा राजे को हाशिये पर छोड़कर आगे बढ़ना पार्टी और राज्य के लिए नुकसानदेह होगा? कांग्रेस के बारे में भी सवाल थे। ऐसी अफवाहें थीं कि पार्टी के भीतर की कलह के कारण विधानसभा चुनावों में हार हुई और लोकसभा चुनावों में भी इसका नुकसान हो सकता है। लेकिन साल खत्म होते-होते इनमें से ज्यादातर सवालों के जवाब मिल गए। मुख्यमंत्री शर्मा ने दृढ़ विश्वास और पार्टी आलाकमान के समर्थन के साथ एक के बाद एक फैसले लिए। उनके नेतृत्व में पार्टी ने उपचुनावों में सात में से पांच सीटें जीतीं। उनकी सरकार ने पेपर लीक मामले में सख्त कार्रवाई की।

28 दिसंबर को हुई साल की आखिरी मंत्रिमंडलीय बैठक में शर्मा सरकार ने पिछली कांग्रेस सरकार द्वारा बनाए गए नौ जिले और तीन संभागों को यह कहते हुए कि वे न तो व्यावहारिक थे और न ही सार्वजनिक हित में, उन्हें खत्म करने का फैसला किया। राज्य में अब केवल सात संभाग और 41 जिले होंगे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दिसंबर में राइजिंग राजस्थान समिट के आयोजन के साथ अपनी स्थिति मजबूत की, जहां राज्य को 35 लाख करोड़ रुपये के निवेश का वादा किया गया।

नवंबर 2023 में विधानसभा चुनावों में पराजित कांग्रेस ने लोकसभा चुनावों में वापसी की, 25 में से आठ सीटें जीतीं और अंदरूनी कलह की चर्चाओं पर विराम लगा दिया। 2014 के बाद से कांग्रेस द्वारा राज्य में लोकसभा सीट जीतने का यह पहला मामला था। भाजपा आत्मविश्वास के साथ चुनाव में उतरी, लेकिन वह केवल 14 सीटों पर ही सिमट गई। इसकी 2019 की लोकसभा चुनाव सहयोगी आरएलपी ने इंडिया ब्लॉक के तहत कांग्रेस के साथ गठबंधन किया।

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत रविवार को जयपुर के राजापार्क में श्री गुरु सिंह सभा गुरुद्वारा में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि देने के लिए अरदास कार्यक्रम में शामिल हुए।

महाकुंभ आमंत्रण

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात कर उन्हें अगले साल आयोजित होने वाले महाकुंभ में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। प्रत्येक 12 वर्ष पर आयोजित होने वाला महाकुंभ उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 13 जनवरी से 26 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा। राष्ट्रीय राजधानी में मौजूद योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रपति मुर्मू और उपराष्ट्रपति धनखड़ को महाकुंभ, 2025 की पट्टिकाएं भी भेंट कीं। राज्य सरकार ने कहा कि उन्होंने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को भी निमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री ने शनिवार को दिल्ली में भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह और पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से भी मुलाकात की थी।

25 लाख कीमत के खोए हुए 102 मोबाइल हुए बरामद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इटावा/एजेन्सी। उत्तर प्रदेश के इटावा जिले में सर्विलांस ओर एसओजी पुलिस टीम ने खोए हुए करीब 25 लाख के कीमत के 102 मोबाइल फोन बरामद किए है। इटावा के एसएसपी संजय कुमार ने रविवार को यह जानकारी दी।

कुमार ने बताया कि सर्विलांस ओर एसओजी पुलिस टीम लंबे समय से खाए करीब 25 लाख कीमत के विभिन्न कंपनियों के 102 मोबाइल फोन अथक परिश्रम कर बरामद किए गए।

एसएसपी ने बताया कि लोगों ने अपने खोये हुए मोबाइलों के संबंध में बरामदगी को प्रार्थना पत्र दिए गए थे। जिसके संबंध में संज्ञान लेते हुए सर्विलांस टीम को मोबाइल फोन की बरामदगी हेतु निर्देशित किया गया था। इसी क्रम में सर्विलांस टीम द्वारा अथक मेहनत करते हुए इलेक्ट्रानिक एवं मैनुअल साक्ष्य संकलित कर खोये हुए जनता के 102 मोबाइल फोन को तलाश किया गया, जिनको आज मोबाइल संचालको को वितरित कर दिया गया। अपने गुमशुदा मोबाइलों को पाकर मोबाइल मालिकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते इटावा पुलिस का विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया गया। उन्होंने बताया कि 17 ओप्पो कम्पनी मोबाइल, 28 वीवो कम्पनी मोबाइल,18 रियलमी कम्पनी मोबाइल,15 रेडमी कम्पनी मोबाइल,06 सैमसंग कम्पनी मोबाइल, 06 इनफिनिक्स कम्पनी मोबाइल, 02 टैक्नो कम्पनी मोबाइल, 02 पोको कम्पनी मोबाइल,06 वन प्लस कम्पनी मोबाइल, एक मोटोरोला कम्पनी मोबाइल ओर एक आईक्यू कम्पनी मोबाइल बरामद हुआ है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 117वीं कड़ी के संबोधन में कहा

मलेरिया, कैंसर से लड़ाई में भारत को मिली बड़ी सफलता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारत ने जानलेवा बीमारी कैंसर और मलेरिया पीड़ितों की मदद करने में बड़ी सफलता हासिल की है। मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 117वीं कड़ी के संबोधन में कहा, भारत की दो बड़ी उपलब्धियां आज विश्व का ध्यान आकर्षित कर रही हैं इन्हें सुनकर आपको भी गर्व महसूस होगा, ये दोनों सफलताएं स्वास्थ्य के क्षेत्र में मिली हैं, पहली उपलब्धि मिली है मलेरिया से लड़ाई में। मलेरिया की बीमारी चार हजार वर्षों से मानवता के लिए एक बड़ी चुनौती रही है। उन्होंने कहा कि आजादी के समय भी यह हमारी सबसे बड़ी स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक थी। एक महीने से लेकर पांच साल तक के बच्चों की जान लेने वाली सभी संक्रामक बीमारियों में मलेरिया का तीसरा स्थान है।

प्रधानमंत्री ने कहा, आज मैं संतोष से कह सकता हूँ कि देशवासियों ने मिलकर इस चुनौती का दृढ़ता से मुकाबला किया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट कहती है भारत में 2015 से 2023 के बीच मलेरिया के मामलों और इससे होने वाली मौतों में 80 प्रतिशत की कमी आई है। उन्होंने कहा कि यह कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। सबसे सुखद बात यह है कि यह सफलता जन-जन की भागीदारी से मिली है। उन्होंने कहा कि भारत के कोने-कोने, हर जिले से हर कोई इस अभियान का हिस्सा बना है। उन्होंने कहा, असम में जोरहाट के चाय बागानों में मलेरिया चार साल पहले तक लोगों की चिंता की एक बड़ी वजह बना हुआ था लेकिन जब इसके उन्मूलन के लिए चाय बागान में रहने वाले एकजुट हुए तो इसमें काफी हद तक सफलता मिलने लगी।

मोदी ने कहा कि अपने इस प्रयास में उन्होंने प्रौद्योगिकी के साथ-साथ सोशल मीडिया का भी भरपूर इस्तेमाल किया है। उन्होंने कहा कि इसी तरह हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिले ने मलेरिया पर नियंत्रण के लिए बड़ा अच्छा मॉडल पेश किया। यहां मलेरिया की नजर रखने के लिए जनभागीदारी काफी सफल रही है। नुक्कड़ नाटक और रेडियो के जरिए ऐसे संदेशों पर जोर दिया गया जिससे मच्छरों के पैदा होने की रफ्तार कम करने में काफी मदद मिली है। देश-भर में ऐसे प्रयासों से ही हम मलेरिया के खिलाफ जंग को और तेजी से आगे बढ़ा पाए है।

बस्तर ओलंपिक युवाओं की प्रतिभा को निखारने और नए भारत के निर्माण का मंच : मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल ही में संपन्न बस्तर ओलंपिक 2024 की सराहना करते हुए रविवार को कहा कि इस आयोजन ने युवाओं को प्रतिभा निखारने और नए भारत के निर्माण के लिए एक मंच दिया है। छत्तीसगढ़ सरकार ने पिछले महीने इसी जिले में बस्तर ओलंपिक 2024 का आयोजन किया था। इस बहु-खेल आयोजन का उद्देश्य स्थानीय प्रतिभाओं की खोज करना, नक्सल प्रभावित बस्तर के आदिवासी युवाओं को मुख्यधारा में शामिल करना और लोगों और प्रशासन के बीच संबंधों को बेहतर बनाना था।

अपने मासिक 'मन की बात' कार्यक्रम में बस्तर ओलंपिक का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि यह एक अनूठा आयोजन है और यह इस बात का प्रतीक है कि देश में बदलाव हो रहा है। उन्होंने कहा, क्या आप जानते हैं कि हमारे बस्तर में एक अनोखा ओलंपिक शुरू हो चुका है! जी हां, पहले बस्तर ओलंपिक के जरिए बस्तर में एक नई क्रांति आ रही है। साथियों, बस्तर ओलंपिक सिर्फ एक खेल आयोजन नहीं है। ये एक ऐसा मंच है जहां विकास और खेल एक साथ मिल रहे हैं, जहां हमारे युवा अपनी प्रतिभा को निखार रहे हैं और एक नए भारत का निर्माण कर रहे हैं। मोदी ने कहा कि यह उनके लिए बहुत खुशी की बात है कि बस्तर ओलंपिक का सपना साकार हो गया है। उन्होंने कहा, आपको यह जानकर भी खुशी होगी कि यह उस क्षेत्र में हो रहा है जो कभी माओवादी हिंसा का गवाह था।

छत्तीसगढ़ का अविभाजित बस्तर जिला, जिसे अब सात जिलों में विभाजित कर दिया गया है, भौगोलिक दृष्टि से केरल से बड़ा है और देश के सबसे बुरी तरह नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में से एक है। बस्तर ओलंपिक का शुभंकर 'वन भैंसा' और 'पहाड़ी मैना' हैं जो जिले की समृद्ध संस्कृति की झलक दिखाता है।

खेल के इस महाकुंभ का मूल मंत्र है, करसाय ता बस्तर बरसाए ता बस्तर' यानि 'खेलेगा बस्तर जीतेगा बस्तर'।

मोदी ने 'सब्जी क्रांति' के लिए कालाहांडी के किसानों की सराहना की

भुवनेश्वर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को ओडिशा के कालाहांडी जिले के गोलामुंडा ब्लॉक के किसानों की क्षेत्र में 'सब्जी क्रांति' के लिए सराहना की। मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में किसान उत्पादक संघ (एफपीओ) की स्थापना करने और आधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग कर कालाहांडी जिले में 'सब्जी क्रांति' लाने के लिए किसानों की सराहना की।

कालाहांडी को कभी गरीबी और लोगों के पलायन की भयावह स्थिति के लिए जाना जाता था। उन्होंने कहा, जहां, कभी किसान, पलायन करने को मजबूर थे, वहीं आज, कालाहांडी का गोलामुंडा ब्लॉक एक सब्जी केंद्र बन गया है। यह परिवर्तन कैसे आया?

मोदी ने कहा, इसकी शुरुआत सिर्फ 10 किसानों के एक छोटे से समूह से हुई। इस समूह ने मिलकर एक 'किसान उत्पाद संघ' की स्थापना की, खेती में आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल शुरू किया, और आज उनका ये संघ करोड़ों का कारोबार कर रहा है। आज 200 से अधिक किसान इस संघ से जुड़े हैं, जिनमें 45 महिला किसान भी हैं। उन्होंने कहा, ये लोग मिलकर 200 एकड़ में टमाटर की खेती कर रहे हैं, 150 एकड़ में करेले का उत्पादन कर रहे हैं। अब इस संघ का सालाना कारोबार भी बढ़कर डेढ़ करोड़ से ज्यादा हो गया है। आज कालाहांडी की सब्जियां, न केवल ओडिशा के विभिन्न जिलों में बल्कि, दूसरे राज्यों में भी पहुंच रही हैं, और वहां का किसान, अब, आलू और प्याज की खेती की नई तकनीकें सीख रहा है।

ओडिशा के कोरापुट में बस पलटने से चार यात्रियों की मौत, 40 घायल

कोरापुट/भाषा। ओडिशा के कोरापुट जिले में रविवार सुबह एक बस के पलट जाने से चार यात्रियों की मौत हो गई और 40 अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह हादसा बोइपारीगुडा थाना क्षेत्र में गुप्तेश्वर के पास डोकरीघाट में तड़के करीब साढ़े पांच बजे हुआ। उसने बताया कि बस कटक के नियाली से लगभग 50 श्रद्धालुओं को लेकर गुप्तेश्वर मंदिर जा रही थी। एक अधिकारी ने बताया कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और पुलिस ने घायल यात्रियों को बचाया तथा उन्हें बोइपारीगुडा अस्पताल में भर्ती कराया। उन्होंने बताया कि संदेह है कि पहाड़ी सड़क के कठिन मोड़ पर वाहन चालक ने नियंत्रण खो दिया। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों में एक 12 वर्षीय बच्चा भी शामिल है।

फर्जी पासपोर्ट गिरोह :

पुलिस ने बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले से सरगना को किया गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पुलिस ने फर्जी पासपोर्ट गिरोह के सरगना को पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले से गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि इसी मामले के सिलसिले में पहले गिरफ्तार किए गए लोगों से मिली जानकारी के आधार पर कोलकाता पुलिस ने शनिवार देर रात गयघटा थाना क्षेत्र के चादापाड़ा स्टेशन रोड स्थित एक घर से मनोज गुप्ता नामक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि गुप्ता बेहाला के सिलपाड़ा इलाके का निवासी है और साखेरबाजार में एक ट्रैवल एजेंसी चलाता था।

पुलिस अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, गुप्ता फर्जी पासपोर्ट गिरोह का सरगना है। अपनी ट्रैवल एजेंसी की आड़ में वह फर्जी पासपोर्ट रैकेट चला रहा था। ऐसा माना जा रहा है कि यह व्यक्ति (फर्जी) वीजा जारी करने में भी शामिल था।

गांधी परिवार ने कांग्रेस के गैर गांधी नेताओं को कभी सम्मान नहीं दिया : प्रल्हाद जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने रविवार को आरोप लगाया कि गांधी परिवार ने उन कांग्रेसी नेताओं को कभी सम्मान नहीं दिया जो उसके परिवार से संबंधित नहीं हैं। जोशी ने कांग्रेस के इस आरोप को खारिज कर दिया कि केंद्र सरकार ने देश के पहले सिख प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार के लिए कोई ऐसा यथोचित स्थान नहीं दिया जहां बाद में उनका स्मारक बनाया जा सके।

जोशी ने कांग्रेस के इस आरोप को ''दुर्भाग्यपूर्ण एवं घटिया राजनीति'' बताया। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के साथ हमारे वैचारिक और राजनीतिक मतभेदों के बावजूद वह अत्यंत सम्मानीय व्यक्ति थे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इच्छा के अनुसार सिंह का अंतिम संस्कार पूर्ण राजकीय सम्मान के साथ करने के लिए हर संभव कदम उठाया। उन्होंने कहा, केवल पूर्व प्रधानमंत्री (मनमोहन सिंह) ही नहीं, कांग्रेस ने एक अन्य पूर्व प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिंह राव और पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी को भी उचित सम्मान नहीं दिया। अब प्रणब मुखर्जी की बेटी ने कहा है कि कांग्रेस ने उनके पिता के निधन के बाद सीडब्ल्यूसी (कांग्रेस कार्यसमिति) की बैठक नहीं बुलाई। उन्होंने कहा, वास्तव में गांधी परिवार ने कभी उन कांग्रेस नेताओं को सम्मान नहीं दिया जिनका गांधी परिवार से संबंध नहीं हैं। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिंह राव को भारत रत्न पुरस्कार और सरदार वल्लभभाई पटेल को भी कभी उचित सम्मान नहीं दिया। गांधी परिवार को इन सब बातों पर आत्मचिंतन करना चाहिए।

केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण तथा नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री जोशी अपने मंत्रालयों की केंद्र प्रायोजित योजनाओं की समीक्षा के लिए त्रिपुरा के दो दिवसीय दौरे पर हैं।

एक जनवरी को 100 साल का हो जाएगा दानापुर रेल मंडल, रेलवे ने बनाई उत्सव की योजना

पटना/दानापुर/भाषा। भारतीय रेलवे का ऐतिहासिक दानापुर मंडल 1 जनवरी को 100 साल का हो जाएगा जो लगभग 160 साल पहले स्थापित कुछ लाइनों और स्टेशनों का प्रबंधन करता है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मंडल ने 31 जनवरी को पुराने जगजीवन स्टेडियम में एक भव्य उत्सव की योजना बनाई है, जहां वह अभिलेखीय दस्तावेजों, तस्वीरों और रेलवे कलाकृतियों के माध्यम से अपने समृद्ध इतिहास को दिखाने वाली एक प्रदर्शनी भी आयोजित करेगा।

दानापुर मंडल के अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक (एडीआरएम) आधार राज ने 'पीटीआई-भाषा' से, हम दानापुर मंडल की शताब्दी के अवसर पर एक कॉफी टेबल बुक जारी करने पर भी काम कर रहे हैं। डीआरएम कार्यालय में विभिन्न विभागों में रखे गए हमारे पुराने दस्तावेजों और तस्वीरों के अलावा हम पुस्तक के लिए प्रासंगिक सामग्री जुटाने की भी कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मंडल के 100 साल पूरे होने पर एक स्मारक पोस्टल कवर जारी करने की भी योजना है।

अर्शदीप और मंधाना आईसीसी पुरस्कार के लिए नामांकित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को इस सत्र में संयुक्त रूप से सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बनने और भारत की टी20 विश्व कप जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए 'आईसीसी पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर ऑफ द ईयर पुरस्कार' के लिए नामांकित किया गया है।

अर्शदीप (25 वर्ष) इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए पाकिस्तान के बाबर आजम, ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड और जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगे।

वहीं भारत की स्टाइलिश महिला सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना भी आईसीसी पुरस्कार की दौड़ में शामिल रहेंगी जिन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'आईसीसी महिला वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर' के लिए नामांकित किया गया है।

लॉरा वोल्वार्ड्ट (दक्षिण अफ्रीका), चामरी अटापट्टू (श्रीलंका) और अनाबेल सदरलैंड (ऑस्ट्रेलिया) अन्य अनुभवी क्रिकेटर हैं जो इस पुरस्कार के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही हैं।

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप ने बारबाडोस में भारत की टी20 विश्व कप जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने 18 मैचों में 13.5 के औसत से 36 विकेट लेकर टी20 अंतरराष्ट्रीय में संयुक्त रूप से सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में वर्ष का समापन किया।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए राममंदिर में लगायी जाएंगी लिफ्ट

अयोध्या (उप्र)/भाषा। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा अयोध्या में भगवान राम के मंदिर परिसर में तीन लिफ्ट लगायी जाएंगी ताकि श्रद्धालुओं को पहली मंजिल तक पहुंचने में कोई दिक्कत ना हो।

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्रा ने शनिवार देर शाम संवाददाताओं से कहा, हमने आपको पहले भी बताया है कि श्री राम जन्मभूमि मंदिर तीन मंजिला है। भूतल पर रामलला विराजमान हैं। पहली मंजिल पर भगवान का दरबार होगा। उसके ऊपर भी एक मंजिल होगी, अभी यह तय नहीं है कि उसमें क्या होगा।

मिश्रा ने कहा, राम दरबार के दर्शन करने वाले लोग सीढ़ियों का उपयोग करके जा सकते हैं। जो लोग ऊपर जाना चाहते हैं लेकिन सीढ़ियों के सहारे नहीं जा सकते, उनके लिए हमने बहुत पहले से परकोटे से मंदिर तक जाने की व्यवस्था की है। मंदिरों के गलियारों को जोड़ने वाला परकोटा बनकर तैयार हो जाएगा। जो लोग दर्शन के लिए ऊपर जाना चाहते हैं, वे मंदिर के पीछे से जाएंगे। वहां लिफ्ट लगाने की व्यवस्था की जा रही है। मिश्रा ने कहा, जब परकोटा बन जाएगा, तो लिफ्ट लगाई जाएगी। निर्माण एजेंसी लिफ्ट लगाने की व्यवस्था कर रही है। दो लिफ्ट लगाई जाएंगी। एक लिफ्ट बड़े आकार की होगी, जिसका उपयोग व्हील चेयर से आने वाले श्रद्धालु कर सकेंगे। इस तरह से उत्तर दिशा में एक लिफ्ट होगी, जहां से वीआईपी प्रवेश होता है। आने वाले प्रमुख लोगों और संतों के लिए एक छोटी लिफ्ट लगाई जाएगी। इस तरह से परकोटे में तीन लिफ्ट की व्यवस्था की जा रही है।

सिनर, स्वियातेक के डोपिंग मामलों पर खिलाड़ियों को अंधेरे में रखा गया : जोकोविच

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ब्रिसबेन/एपी। दुनिया के पूर्व नंबर एक टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने रविवार को इस खेल में डोपिंग से जुड़े हाई-प्रोफाइल मामलों से निपटने में 'दोहरे मापदंड' अपनाने की आलोचना की।

जोकोविच चोट से उबर कर सोमवार से शुरू होने वाले 'ब्रिसबेन इंटरनेशनल' से प्रतिस्पर्धी टेनिस में वापसी करेंगे। अगले महीने शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियाई ओपन में अपना रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कवायद में लगे जोकोविच 2009 के बाद पहली बार 'ब्रिसबेन इंटरनेशनल' में भाग लेंगे। इस टूर्नामेंट के एकल में उन्हें शीर्ष वरीयता मिली है।

जोकोविच ने मौजूदा समय में रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज यानिस सिनर के डोपिंग मामले के बारे में 'अंधेरे में रखे जाने' पर निराशा व्यक्त की। जोकोविच 'बिसबेन इंटरनेशनल' के युगल में ऑस्ट्रेलिया के निक किर्गियोस के साथ भी जोड़ी बनाएंगे। यह जोड़ी सोमवार से अपना अभियान शुरू करेगी। उन्होंने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, मैं यह सवाल नहीं कर रहा हूं कि (सिनर ने) जानबूझकर प्रतिबंधित पदार्थ लिया था या नहीं। हमने अतीत और वर्तमान में बहुत सारे खिलाड़ियों को प्रतिबंधित पदार्थों के लिए जांच में पॉजिटिव आने के कारण निलंबित होते देखा है। उन्होंने कहा, कम रैंकिंग वाले कुछ खिलाड़ी एक साल से अधिक समय से अपने मामले के सुलझने का इंतजार कर रहे हैं। मैं वास्तव में निराश हो हूं। हमें (सिनर मामले पर) कम से कम पांच महीने तक अंधेरे में रखा गया।

इंटरनेशनल टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी (आईटीआईए) ने सिनर और पूर्व महिला विश्व नंबर एक इगा स्वियातेक दोनों पर साल की शुरुआत में डोपिंग रोधी उल्लंघन का आरोप लगाया था।

सर्बियाई खिलाड़ी ने डोपिंग उल्लंघनों के संबंध में टेनिस अधिकारियों की ओर से पारदर्शिता की कमी की भी आलोचना की।

जोकोविच ने कहा, एटीपी ने वास्तव में इसके बारे में खुलकर बात नहीं की है। उन्होंने उस मामले को लोगों से दूर क्यों रखा है? हमने डब्ल्यूटीए टूर पर सिमोना हालेप का मामला देखा हैं, अब इगा स्वियातेक का मामला है। उन्होंने कहा, यह हमारे खेल के लिए अच्छी छवि नहीं है। मैं ऐसे मामलों को लेकर प्रणाली के काम करने के तरीके पर सिर्फ सवाल उठा रहा हूं। क्यों कुछ खिलाड़ियों के साथ दूसरे तरह का व्यवहार किया जाता है? हो सकता है कि इसके पीछे रैंकिंग एक कारण हो। इस तरह के मामलों से निपटने के लिए कुछ खिलाड़ियों के पास अधिक वित्तीय सहायता और मजबूत कानूनी टीमें हैं।

अगले साल कराधान के सरलीकरण पर होगा जोर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नए साल में सरकार का मुख्य जोर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर नीतियों के सरलीकरण पर होगा। गौरतलब है कि 2024 में छह दशक पुराने आयकर कानून की समीक्षा और माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों को युक्तिसंगत बनाने पर काम शुरू किया गया है।

मासिक सकल जीएसटी संग्रह लगभग 1.8 लाख करोड़ रुपए पर स्थिर होने और सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह में 20 प्रतिशत की दर से लगातार वृद्धि के साथ आने वाले वक्त में व्यक्तियों के साथ ही कॉरपोरेट के लिए अनुपालन बोझ को कम करने के प्रयासों में तेजी आएगी।

जीएसटी के मोर्चे पर आम लोग जीवन और स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम में कर कटौती का इंतजार कर रहे हैं। ऐसा होने पर बीमा की लागत कम हो जाएगी। दूसरी ओर व्यवसाय तेजी से विवाद समाधान के लिए जीएसटी न्यायाधिकरण के संचालन का इंतजार कर रहे हैं।

इसके अलावा, जीएसटी दरों और स्लैब को युक्तिसंगत बनाने के लिए एक मंत्रिसमूह (जीओएम) विचार कर रहा है। हालांकि, इस बारे में अंतिम निर्णय जीएसटी परिषद लेगी।

सरकार ने आयकर अधिनियम, 1961 की समीक्षा शुरू कर दी है, ताकि इसे सरल और समझने में आसान बनाया जा सके। अप्रचलित प्रावधानों को हटाने और इसे संक्षिप्त बनाने के लिए आयकर कानून में संशोधन बजट सत्र के शुरू में संसद में पेश किए जाने की संभावना है।

कर चोरी को रोकने और धनशोधन-रोधक प्रावधानों को मजबूत करने के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच समन्वय ने भारत को वैश्विक वित्तीय निगरानी संस्था वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (एफएटीएफ) से 2024 में सर्वोच्च रेटिंग दिलाई।

जीएसटी के मोर्चे पर, कर अधिकारी फर्जी पंजीकरण से जूझ रहे हैं, जिसका एकमात्र उद्देश्य धोखाधड़ी से इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का दावा करना और सरकारी खजाने को चूना लगाना है। संसद में पेश की गई जानकारी के अनुसार, जीएसटी अधिकारियों ने अप्रैल-अक्टूबर, 2024 के बीच 17,818 फर्जी फर्मों द्वारा 35,132 करोड़ रुपए के इनपुट टैक्स क्रेडिट चोरी के मामलों का पता लगाया और 69 लोगों को गिरफ्तार किया।

फर्जी इकाइयों पर लगाम लगाने के लिए केंद्र और राज्यों की जीएसटी परिषद ने कुछ संदिग्ध व्यवसायों के लिए बायोमीट्रिक प्रमाणीकरण की व्यवस्था पहले ही शुरू कर दी है।

एएमआरजी एंड एसोसिएट्स के वरिष्ठ पार्टनर रजत मोहन ने कहा कि कर स्लैब को युक्तिसंगत बनाने, केंद्रीकृत अपीलीय न्यायाधिकरण के माध्यम से मुकदमेबाजी को कम करने और डेटा एनालिटिक्स का लाभ उठाने पर जोर देना महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने कहा कि 2025 में चालान मिलान प्रणाली (आईएमएस) की शुरुआत से धोखाधड़ी वाले आईटीसी दावों को कम करके जीएसटी फाइलिंग में पारदर्शिता और सटीकता बढ़ेगी।

मोहन ने कहा, हालांकि, यह बदलाव विशेष रूप से छोटे करदाताओं के लिए चुनौतियां पैदा कर सकता है, जिन्हें अनुपालन लागत और तकनीकी कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

डेलॉयट इंडिया के भागीदार और लीडर (अप्रत्यक्ष कर) महेश जयसिंह ने कहा कि 2025 में प्रत्याशित सुधारों में जीएसटी दर युक्तिकरण शामिल है। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी उन्नयन और चालान प्रबंधन प्रणाली जैसे उपायों को लागू करने से एक सरल, उद्योग के अनुकूल और विकास को बढ़ावा देने वाला पारिस्थितिकी तंत्र को विकसित करने में मदद मिलेगी।

सुविचार

ईश्वर के अनंत नाम हैं और असंख्य रास्ते हैं जिससे उनसे संपर्क किया जा सकता है। तुम जिस भी नाम और रूप से उनकी वंदना करोगे, उसी से वो तुमको प्राप्त हो जायेंगे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

एकता का महाकुंभ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में प्रयागराज महाकुंभ से जुड़ीं जो बातें बताईं, उनसे जाहिर होता है कि यह महान आयोजन अपनेआप में कितना सुंदर, भव्य और अनूठा होगा! इसमें करोड़ों श्रद्धालु आएंगे और सोशल मीडिया के जरिए करोड़ों ही इसके साक्षी बनेंगे। इतने बड़े आयोजन के लिए शक्ति व सामर्थ्य सिर्फ भारत में है। जिन साधन-संपन्न देशों की दुनियाभर में जय-जयकार की जाती है, जिनके संगठन कौशल की तारीफ की जाती है, उनकी सरकारों को ऐसा आयोजन करने के लिए कह दें तो उनके हाथ-पांव फूल जाएं! यहां भारत सरकार के सहयोग के साथ उत्तर प्रदेश सरकार जिस स्तर पर महाकुंभ आयोजन को भव्य बनाने जा रही है, उसमें गहरा संदेश छिपा है। हम भारतवासी एकजुट हों तो क्या नहीं कर सकते! प्राय: लोग ऐसी शिकायतें करते रहते हैं कि फलां जगह यह चीज नहीं है, वह चीज नहीं है, इसका अभाव है, उसकी कमी है, उधर कोई अच्छी व्यवस्था नहीं है। अगर हम महाकुंभ से प्रेरणा लेकर एकजुट होकर प्रयास करें तो हमारी सभी चीजें सुधर सकती हैं, सारे अभाव दूर हो सकते हैं, हर कमी समाप्त हो सकती है, सभी व्यवस्थाएं अपने बेहतरीन स्वरूप में आ सकती हैं। इसके लिए हमें लंदन, न्यूयॉर्क और पेरिस की ओर देखने की जरूरत नहीं है। हम अपनी शक्ति व संसाधनों से हमारे देश को बहुत सुंदर व सक्षम बना सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सत्य कहा है कि अनेकता में एकता का ऐसा दृश्य विश्व में कहीं और देखने को नहीं मिलेगा। लाखों संतों, हजारों परंपराओं, सैकड़ों संप्रदायों, कई अखाड़ों और करोड़ों श्रद्धालुओं को जो तत्त्व जोड़ता है, वह है- सनातन की शक्ति।

लाखों संतों, हजारों परंपराओं, सैकड़ों संप्रदायों, कई अखाड़ों और करोड़ों श्रद्धालुओं को जो तत्त्व जोड़ता है, वह है- सनातन की शक्ति। प्रयागराज महाकुंभ स्वदेशी की अवधारणा को मजबूत बनाने में सहायक सिद्ध हो सकता है।

प्रयागराज महाकुंभ स्वदेशी की अवधारणा को मजबूत बनाने में सहायक सिद्ध हो सकता है। यह स्वदेशी उत्पादों के लिए ऐसा मंच बन सकता है, जिससे देश के करोड़ों युवा प्रेरणा ले सकते हैं। देश में न तो मांग की कमी है और न मंच की, बस जरूरत है तो हुनरमंद युवाओं की। वे अपनी योग्यता को पहचानें, उसमें अभिवृद्धि करें। जिस देश के पास इतना बड़ा 'जनबल' है, वहां बेरोजगारी की समस्या का समाधान हम स्वयं कर सकते हैं। हमें इसके लिए भी विदेशी सहायता की ओर टकटकी लगाकर देखने, उनके वीजे पाने के लिए लालायित होने की जरूरत नहीं है। सरकारें सहयोग करें और युवा कुछ करने के लिए दृढ़ संकल्पित हों तो देश की तस्वीर बदल सकते हैं। प्रयागराज महाकुंभ में दुनिया हमारी वैज्ञानिक शक्ति भी देखेगी। श्रद्धालु डिजिटल नेविगेशन के जरिए अलग-अलग घाट, मंदिरों, अखाड़ों तक पहुंचने का रास्ता आसानी से ढूंढ़ सकेंगे। यह प्रणाली पार्किंग तक पहुंचने का रास्ता आसान करेगी। एआई चैटबॉट बहुत अच्छी पहल है। इससे श्रद्धालुओं को महाकुंभ से जुड़े विभिन्न सवालों के जवाब बहुत आसानी से मिल जाएंगे। किस जगह क्या है, किस सुविधा के लिए कहां प्रबंध किए गए हैं, जरूरत पड़ने पर किससे संपर्क करें ... जैसे कई सवालों के जवाब श्रद्धालुओं को अपने मोबाइल फोन पर मिल जाएंगे। इस चैटबॉट से जुड़ी एक और अच्छी बात यह है कि इसमें 11 भारतीय भाषाओं में जानकारी उपलब्ध होगी। यही नहीं, इसमें टेक्स्ट टाइप करने के अलावा बोलकर भी मदद मांगी जा सकती है। ऐसा चैटबॉट बनाना कोई मामूली बात नहीं है। इसके लिए संबंधित अधिकारियों और तकनीकी विशेषज्ञों की सराहना की जानी चाहिए। यह एकता का महाकुंभ है, जिसे सफल बनाने के लिए सबको संकल्प लेना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

आज जयपुर में अनुभूति चैरिटेबल ट्रस्ट फाउंडेशन और द कोक्लियर इंप्लांट ग्रुप ऑफ इंडिया द्वारा श्रवण बाधित लोगों के सशक्तिकरण हेतु आयोजित 'सुनहरे स्वर' कार्यक्रम में शिरकत की। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य कर रहे चिकित्सकों को सम्मानित किय।

-दीया कुमारी

संसदीय क्षेत्र कोटा में पेंशनर्स समाज के राष्ट्रीय अधिवेशन में सम्मिलित होकर वरिष्ठजनों का आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य मिला। इन विभूतियों ने अपना सम्पूर्ण जीवन देश और समाज की सेवा में समर्पित किया है। आज भी ये ऊर्जा और प्रेरणा के प्रतीक हैं।

-ओम बिरला

मुख्यमंत्री निवास पर उदयपुर संभाग के मंत्रिगण एवं विधायकों के साथ बैठक ली। इस दौरान विभिन्न विकास परियोजनाओं एवं जन-कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा के साथ-साथ क्षेत्र में जनहित से जुड़े हुए विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा की गई।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

शिकवे से नई सोच

एक बार न्यूयार्क के एक पारंपरिक रेस्तरां में एक ग्राहक ने नुक्ताचीनी करके माहौल गर्मा दिया। वह ग्राहक तले हुए आलू को लेकर बार-बार शिकायत कर रहा था। आर्डर वापस करते हुए उस ग्राहक का तर्क था कि यह आलू न तो तरीके से तले गये हैं और न ही खाने योग्य हैं। झल्ला कर सीनियर शेफ जार्ज क्रुम ने यह जिम्मेदारी ली। उन्होंने लौटाये गये आलू बारीक काटकर कागज जैसे पतले किये उनको दोबारा तल दिया। उस पर मसाला-नमक छिड़क कर परोसा तो ग्राहक को बेहद पसंद आया। उस ग्राहक ने यह दोबारा खाने की इच्छा जाहिर की। इस पर पूरे रेस्तरां ने दूसरी बार तले गये पतले आलू चखे। जार्ज क्रुम ने अपनी पुस्तक में इस घटना का जिक्र किया है कि सन अठारह सौ तिरेपन की वह शाम आलू के चिप्स का आविष्कार करने वाली महत्वपूर्ण घड़ी थी। आज सारी दुनिया में रोजाना बीस करोड़ से अधिक पैकेट आलू के चिप्स के ही खरीदकर खाये जाते हैं।

सामयिक

नया साल आत्म-परीक्षण और सुधार का अवसर भी

प्रियंका सौरभ

आप नए साल के दिन 2025 को धूम मचाने का फ़ैसला करते हैं, इसे यादगार बनाते हैं। ऐसे नाचें जैसे कोई देख नहीं रहा हो, ऐसे हँसें जैसे यह अब तक का सबसे अच्छा मज़ाक हो और अपने दोस्तों को ऐसे गले लगाएँ जैसे आपने उन्हें एक दशक से नहीं देखा हो। क्योंकि अंदाज़ा लगाइए क्या? 2025 आपका चमकने का साल है। तो, आइए इसे यादगार बनाएँ, इसे यादगार बनाएँ और इसे ख़ास बनाएँ! नई शुरुआत के जादू के लिए चीयर्स!

एक नया साल एक नई शुरुआत है। यह एक नए जन्म की तरह है। नया साल शुरू होते ही हमें लगता है कि हमें अपने जीवन में बदलाव करने, नई राह पर चलने, नए काम करने और पुरानी आदतों, समस्याओं और कठिनाइयों को अलविदा कहने की ज़रूरत है। अक्सर हम नई योजनाएँ और नए संकल्प बनाने लगते हैं। हम उत्साहित, प्रेरित और आशावान महसूस कर सकते हैं, लेकिन कभी-कभी आशंकित भी होते हैं। कवियों और दार्शनिकों ने अक्सर दोहराया है कि भविष्य में जो कुछ भी करना है, उसमें जीवन ने जो सबक हमें सिखाया है, उसे लागू करना ज़रूरी है। लेकिन यह कहना जितना आसान है, करना उतना ही मुश्किल है। लोग एक-दूसरे को नववर्ष की शुभकामनाएँ देते हैं। संदेश, ग्रीटिंग कार्ड और उपहारों का आदान-प्रदान नए साल के जश्न का अभिन्न अंग है। मीडिया कई नए साल के कार्यक्रमों को कवर करता है, जिन्हें दिन के अधिकांश समय प्राइम चैनलों पर दिखाया जाता है। जो लोग घर के अंदर रहने का फ़ैसला करते हैं, वे मनोरंजन और मौज-मस्ती के लिए इन नए साल के शो का सहारा लेते हैं। नया साल सिर्फ़ जश्न मनाने का समय नहीं है, बल्कि आत्म-परीक्षण और सुधार का अवसर भी है। अतीत की गलतियों से सीखते हुए हमें अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास करना चाहिए। आइए हम अपने लक्ष्यों को स्पष्ट करें और उन्हें प्राप्त करने की योजना बनाएँ। आइए हम नकारात्मकता को पीछे छोड़ें और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाएँ। आइए हम ज़रूरतमंदों की मदद करके समाज के प्रति अपनी ज़िम्मेदारी निभाएँ। आइए हम आत्म-विकास के लिए प्रयास करते रहें और नई चीज़ें सीखते रहें। लोग रंग-बिरंगे कपड़े पहनते हैं और मौज-मस्ती से भरी गतिविधियाँ करते हैं जैसे गाना, खेलना, नाचना और पार्टियों में जाना। नाइट क्लब, मूवी थिएटर, रिसॉर्ट, रेस्टोरेंट और मनोरंजन पार्क हर उम्र के लोगों से भरे हुए हैं। आने वाले साल के लिए नए संकल्पों की योजना बनाने की सदियों पुरानी परंपरा आम है। कुछ सबसे लोकप्रिय संकल्पों में वज़न कम करना, अच्छी आदतें विकसित करना और कड़ी मेहनत करना शामिल है। आज के समय में, जब पर्यावरण के मुद्दे एक गंभीर चिंता का विषय हैं, तो पर्यावरण के प्रति संवेदनशील तरीकों से नए साल का जश्न मनाना हमारी जिम्मेदारी बन जाती है। पटाखों का उपयोग कम करना, पेड़ लगाना और जल संरक्षण इस दिशा में सकारात्मक क़दम हो सकते हैं।

नया साल हमें अतीत की कड़वाहट को भूलकर नए रिश्ते शुरू करना सिखाता है। आइए हम एक-दूसरे के प्रति प्रेम और सद्भावना व्यक्त करें। आइए हम उन लोगों को सही रास्ते पर लाने का प्रयास करें जो अपना रास्ता भूल गए हैं। भगवद गीता में भगवान कृष्ण की शिक्षाएँ हमें याद दिलाती हैं कि हमें अपना काम करना चाहिए और परिणाम भगवान पर छोड़ देना चाहिए। नया साल सिर्फ़ कैलेंडर बदलने के बारे में नहीं है, बल्कि यह हमारे जीवन को एक नई दिशा देने का अवसर है। यह नई ऊर्जा, उत्साह और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ने का समय है। आइए हम सब मिलकर इस नए साल को अपने और समाज के लिए बदलाव का साल बनाएँ। अब, सभी चमक-दमक के बीच, नए साल का दिन कुछ गंभीर सोच-विचार का भी समय है। हाँ, हम आत्मनिरीक्षण के बारे में बात कर रहे हैं-पिछले साल को पीछे देखते हुए और यह पता लगाते हुए कि हमने क्या सीखा है। क्या हमने आखिरकार मकड़ियों के डर पर विजय प्राप्त की? क्या हमने उन लोगों के साथ पर्याप्त समय बिताया जो सबसे ज़्यादा मायने रखते हैं? यह कुछ हद तक हमारे जीवन की मुख्य घटनाओं को स्क्रॉल करने और यह सोचने जैसा है, वाह, क्या मैंने वाकई ऐसा किया? एक पेड़ लगाएँ, अपने भविष्य के लिए एक पत्र लिखें, या बोर्ड गेम का लुत्फ़ उठाएँ। इसे अपने लिए अनोखा बनाएँ और हर साल इसका इंतज़ार करें।

अब, इस तरह से आप एक परंपरा की शुरुआत कर सकते हैं! नए साल के दिन सोच-समझकर उपहार देकर प्यार फैलाएँ। यह क़ीमत के बारे में नहीं बल्कि इशारे के पीछे की भावना के बारे में है। एक हस्तलिखित नोट, एक व्यक्तिगत ट्रिंकेट, या एक हार्दिक संदेश दुनिया भर में अंतर ला सकता है जब आप उन लोगों के लिए अपनी प्रशंसा व्यक्त करते हैं जो सबसे ज़्यादा मायने रखते हैं। अक्सर, हम या तो इसे महसूस नहीं करते या इसे स्वीकार करने से इनकार करते हैं और एक ऐसी कहानी लिखने की कोशिश करते हैं जो पहले ही ख़त्म हो चुकी है। ऐसे समय में हमें याद रखना चाहिए कि कभी-कभी क़लम को नीचे रखना ठीक होता है। बंद दरवाज़े से जूझना ठीक नहीं है। इससे चिपके रहने से आप दूसरी तरफ़ की खिड़की को देख नहीं पाते। जैसा कि माइंडफुलनेस प्रैक्टिशनर कहते हैं, सबसे बड़ी सच्चाई यह है कि नए सिरे से शुरुआत करने के लिए आपके पास मौजूद पल से बेहतर कोई समय नहीं है। नए साल की सुबह, सबसे अच्छी स्थिति में, केवल सही सेटिंग ही बना सकती है; बाकी, जैसा कि वे कहते हैं, सब आपके भीतर है। हालाँकि, आप नए साल के दिन 2025 को धूम मचाने का फ़ैसला करते हैं, इसे यादगार बनाते हैं। ऐसे नाचें जैसे कोई देख नहीं रहा हो, ऐसे हँसें जैसे यह अब तक का सबसे अच्छा मज़ाक हो और अपने दोस्तों को ऐसे गले लगाएँ जैसे आपने उन्हें एक दशक से नहीं देखा हो। क्योंकि अंदाज़ा लगाइए क्या? 2025 आपका चमकने का साल है। तो, आइए इसे यादगार बनाएँ, इसे यादगार बनाएँ और इसे ख़ास बनाएँ! नई शुरुआत के जादू के लिए चीयर्स!

ज्ञान विज्ञान

आसमान में हैं अनगिनत तारे, फिर ब्रह्मांड में इतना अंधेरा क्यों है?

तारों से भरा आसमान और उसकी खूबसूरती आपने देखी होगी। हो सकता है बचपन में तारों को गिनने की कोशिश भी की हो, मगर चाहकर भी आप ऐसा कर नहीं सकते। दरअसल ब्रह्मांड में 3200 सौर मंडल हैं, हर सौर मंडल में अनगिनत तारे हैं। सिर्फ अपने सौर मंडल यानी मिल्कीवे में ही 100 बिलियन से ज्यादा तारे होने की संभावना जताई गई है। ऐसे में एक सवाल जो वैज्ञानिकों के लिए लंबे समय तक पहेली बना रहा वह यह है कि जब आसमान में अनगिनत तारे हैं तो ब्रह्मांड में इतना अंधेरा क्यो है?

ब्रह्मांड के कई रहस्य आज भी अनसुलझे हैं। ऐसा ही रहस्य तारों से संबंधित है। दरअसल आसमान में गैसों से बने खगोलीय पिंड तारे कहलाते हैं, परमाणु प्रतिक्रियाओं की वजह से ये गर्मी और प्रकाश पैदा करते हैं, जिससे ये चमकते हुए नजर आते हैं। ब्रह्मांड में लगातार इनका बनना और टूटना जारी रहता है, फिर ब्रह्मांड में अंधेरा क्यों है? ओल्बर्स का पैरेडॉक्स थ्योरी ने काफी हद तक इस सवाल का जवाब ढूंढ निकाला है।

जर्मन खगोलशास्त्री हेनरिक विल्हेम ओल्बर्स के नाम पर इस थ्योरी का नाम रखा गया है। इस थ्योरी में ये पता लगाया है कि जब ब्रह्मांड अनंत और हर दिशा में समान रूप से तारों से भरा है तो

फिर आसमान को हर वक्त चमकते रहना चाहिए, फिर ये अंधकारमय क्यों है। इस थ्योरी में ऐसा होने की वजह महत्वपूर्ण सिद्धांतों को बताया गया है।

पैरेडॉक्स की थ्योरी में बताया गया है कि धरती से तारे भले ही बेहद नजदीक नजर आते हैं, लेकिन ब्रह्मांड में ये दूर-दूर हैं। इन तारों के बीच की दूरी और धरती से इनकी दूरी की वजह से इन तारों का प्रकाश कमजोर हो जाता है और ये ब्रह्मांड को रोशन नहीं कर पाते न ही इनका प्रकाश धरती तक पहुंच पाता है।

इस थ्योरी में ये भी बताया गया कि हमारा ब्रह्मांड लगातार फैल रहा है। इससे जो गैलैक्सी मिल्की वे से दूर से हैं उनमें स्थित तारों का प्रकाश रेडशिफ्ट होता है, यानी उनकी रोशनी की तरंग दैर्घ्य लंबी हो जाती है, जिससे प्रकाश का रूप बदल जाता है और ये हमें दिखाई देना बंद हो जाता है।

ब्रह्मांड में तारों के बीच स्थान बहुत विशाल है, इन क्षेत्रों में ऐसी कोई चीज नहीं है जो प्रकाश को परावर्तित कर सके, इसीलिए चमकते तारों की रोशनी कुछ दूरी तक जाकर गायब हो जाती है।

ब्रह्मांड में गैस और धूल के बादल भी हैं, यह तारों की ओर से आने वाली रोशनी को सोख लेते हैं। इसकी वजह से तारों की रोशनी सिमट जाती है। जो हमारी आंखों से दिखाई नहीं देती।

सभी तारे सूर्य की तरह चमकदार नहीं होते। यह छोटे और ठंडे भी होते हैं, इस वजह से इनमें रोशनी बहुत कम होती है। इसके अलावा सभी तारे एक साथ नहीं चमकते। इनके बनने और बिगड़ने की प्रक्रिया भी सीमित समय के लिए होती है।

तारे ब्रह्मांड के वो खगोलीय पिंड होते हैं जो गैसों से बनते हैं। ये इतने गर्म होते हैं कि इनके बीच का तापमान हजारों और करोड़ों डिग्री तक हो सकता है। इसकी वजह से हाइड्रोजन परमाणु आपस में टकराकर हीलियम बनाते हैं। इससे ऊर्जा उत्पन्न होती है जो प्रकाश के तौर पर चमकती है। तारों के केंद्र से यह ऊर्जा सतह तक पहुंचती है और प्रकाश के रूप में फैलती है। इसके अलावा गुरुत्वाकर्षण संतुलन भी इसका कारण है, दरअसल ये बल तारे को अंदर की ओर खींचता है और ऊर्जा बाहर की ओर जाती है, इससे तारों की चमक बढ़ती है। वैज्ञानिकों के मुताबिक तारों की चमक उनके अंदर के तापमान पर निर्भर करती है। ज्यादा गर्म तारे नीले या सफेद रंग के नजर आते हैं, अगर तापमान मध्यम है तो ये पीले रंग के नजर आ सकते हैं, जैसे कि सूर्य। अगर तारे ठंडे हैं तो ये लाल रंग के होते हैं जैसे कि बिटलग्यूज।

नजरिया

क्या धन असमानता का निदान कर पाएगा 'संपत्ति कर'?

डॉ. सत्यवान सौरभ

आयकर प्रणाली को सुव्यवस्थित और सरल बनाने से कार्यकुशलता बढ़ सकती है, कर आधार व्यापक हो सकता है और करदाताओं पर अनुपालन का बोझ कम हो सकता है। विलासिता उपभोग कर लागू करने से उच्च-स्तरीय वस्तुओं और सेवाओं को लक्षित किया जा सकता है, जिससे आम जनता पर बोझ डाले बिना असमानता को सम्बोधित करते हुए राजस्व उत्पन्न हो सकता है। संपत्ति कराधान पर बहस जटिल है, जिसमें कर चोरी और पूंजी पलायन जैसी चुनौतियों के साथ असमानता को कम करने की क्षमता को संतुलित करना शामिल है।

वैश्विक स्तर पर और भारत में धन असमानता गंभीर मुद्दा बन गया है, जहाँ शीर्ष 1% लोगों के पास देश की 40.1% संपत्ति है। व्यापक स्तर पर गरीबी एवं राज्य कल्याण कार्यक्रमों पर निर्भरता के साथ-साथ धन के केंद्रीकरण ने आर्थिक असमानता दूर करने और सार्वजनिक राजस्व उत्पन्न करने के लिए संपत्ति कर लगाने पर परिचर्चा दोबारा शुरू हो गई है। भारत में संपत्ति और विरासत करों को लागू करने में ऐतिहासिक और वर्तमान चुनौतियाँ हैं, जैसे कर चोरी, उच्च प्रशासनिक लागत और पूंजी पलायन का जोखिम। ये मुद्दे ऐसे करों को लागू करने के पिछले प्रयासों में स्पष्ट रहे हैं, जिसमें 1985 में एस्टेट ड्यूटी का उन्मूलन और 2015 में संपत्ति कर शामिल है। संपत्ति कराधान कोई नई अवधारणा नहीं है। यह 19वीं शताब्दी से चली आ रही है, जब स्विटज़रलैंड के बेसल शहर ने 1840 में इस तरह का कर पेश किया था। अन्य देशों ने भी इसका अनुसरण किया, जिसमें 1892 में नीदरलैंड और 1911 में स्वीडन शामिल हैं। भारत 1957 में इस सूची में शामिल हुआ जब वित्त मंत्री टी-टी कृष्णमाचारी ने संपत्ति कर लागू किया। हालाँकि, समय के साथ इस कर को लागू करने वाले देशों की संख्या कम हो गई है। उदाहरण के लिए कर लगाने वाले देशों की संख्या 1990 में 12 से घटकर 2017 में चार रह गई। भारत ने 2015 में इसे समाप्त कर दिया।

हाल के वर्षों में धन असमानता पर बढ़ती चिंताओं के कारण धन पर कर लगाने का विचार फिर से सामने आया है। अर्थशास्त्री थॉमस पिकेटी और उनके सहयोगियों द्वारा किए गए एक अध्ययन में भारत में असमानता में तेज वृद्धि को उजागर किया गया है, खासकर 2014-15 के बाद। उनके शोध से संकेत मिलता है कि शीर्ष 1% आय अर्जित करने वालों के पास 2022-23 में देश की आय का 22.6% और इसकी संपत्ति का 40.1% हिस्सा होगा-यह आंकड़ा दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील और संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे देशों से भी अधिक है। पिकेटी और उनके सह-लेखक 10 करोड़ रुपये से अधिक की शुद्ध संपत्ति पर 2% वार्षिक कर और उसी सीमा से अधिक की संपत्ति पर 33% कर का प्रस्ताव करते हैं। धन करों की अपील के बावजूद उनका कार्यान्वयन कठिनाइयों से भरा है। 1985 में जब वित्त मंत्री वीपी सिंह ने संपदा शुल्क (विरासत कर) को समाप्त किया, तो उन्होंने कहा कि इसका प्रशासन महंगा था और इसकी राजस्व प्राप्ति न्यूनतम थी, जिसमें केवल लगभग 20 करोड़ रुपये एकत्र किए गए थे। सिंह ने स्वीकार किया कि कर धन असमानता को कम करने और राज्य विकास योजनाओं का समर्थन करने के अपने इच्छित लक्ष्यों को प्राप्त करने में विफल रहा है। इसी तरह, जब 2015 में संपत्ति कर को समाप्त कर दिया गया, तो वित्त मंत्री अरुण जेटली ने 2013-14 में कर की कम राजस्व प्राप्ति 1, 008 करोड़ रुपये पर प्रकाश डाला, जो सरकार के कुल कर राजस्व का 0.1% से भी कम था। जेटली ने तर्क दिया कि उच्च प्रशासनिक लागत और कम उपज वाले करों को अधिक कुशल विकल्पों के साथ प्रतिस्थापित किया जाना चाहिए।

7वीं शताब्दी ईसा पूर्व का एक प्राचीन मिस्र का पपीरस एक व्यक्ति की कहानी बताता है जो अपनी संपत्ति का कम मूल्यांकन करके विरासत करों से बचने का प्रयास करता है। इस तरह की चोरी की सजा-कोड़े मारना। आधुनिक, वैश्वीकृत दुनिया में, पूंजी की गतिशीलता जटिलता की एक और परत जोड़ती है। उच्च करों के कारण पूंजी पलायन हो सकता है, जहाँ धनी व्यक्ति दुबई जैसे कर-अनुकूल क्षेत्राधिकारों में बसने के लिए देश छोड़ देते हैं। यह नॉर्वे जैसे देशों में देखा गया है, जहाँ संपत्ति करों में वृद्धि के कारण कई उच्च-निवल-मूल्य वाले व्यक्ति विदेश चले गए। भारत में विदेश में स्थानांतरित होने वाले करोड़पतियों की संख्या में भी वृद्धि देखी गई है। 2023 में, लगभग 5, 100 भारतीय करोड़पति वित्तीय और कर-सम्बंधी कारणों का हवाला देते हुए विदेश चले गए। भारत में संपत्ति का एक बड़ा हिस्सा भूमि, अचल संपत्ति और सोने से जुड़ा हुआ है। इन परिसंपत्तियों को आसानी से समाप्त नहीं किया जा सकता है, जिससे सवाल उठता है कि व्यवहार में संपत्ति कर कैसे लागू किया जाएगा।

यह देखते हुए कि भारत में संपत्ति सर्जन अभी भी अपने शुरुआती चरण में है, ऐसे कर लगाने से आर्थिक प्रगति में बाधा आ सकती है। यह व्यक्तियों के लिए अधिक कमाने और निवेश करने की प्रेरणा को कम कर सकता है, जिससे देश की वृद्धि धीमी हो सकती है। इसके अतिरिक्त, यह निजी संपत्ति सर्जन और उद्यमिता को हतोत्साहित करके अपने समाजवादी अतीत से दूर जाने की दिशा में बदलाव को उलट सकता है। जीएसटी अनुपालन को मज़बूत करना आवश्यक है, क्योंकि कई सामान अभी भी इसके दायरे से बाहर हैं। आयकर प्रणाली को सुव्यवस्थित और सरल बनाने से कार्यकुशलता बढ़ सकती है, कर आधार व्यापक हो सकता है और करदाताओं पर अनुपालन का बोझ कम हो सकता है। विलासिता उपभोग कर लागू करने से उच्च-स्तरीय वस्तुओं और सेवाओं को लक्षित किया जा सकता है, जिससे आम जनता पर बोझ डाले बिना असमानता को सम्बोधित करते हुए राजस्व उत्पन्न हो सकता है। संपत्ति कराधान पर बहस जटिल है, जिसमें कर चोरी और पूंजी पलायन जैसी चुनौतियों के साथ असमानता को कम करने की क्षमता को संतुलित करना शामिल है। जबकि यह सामाजिक कार्यक्रमों के लिए संसाधन उत्पन्न कर सकता है, भारत में कार्यान्वयन संपत्ति और प्रशासनिक लागतों की प्रकृति के कारण जटिल है। इक्विटी और आर्थिक विकास के बीच संतुलन बनाना महत्त्वपूर्ण है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

प्रदर्शन

बीपीएससी उम्मीदवारों ने रविवार को पटना के गांधी मैदान में कथित अनियमितताओं के कारण 70वीं बीपीएससी प्रारंभिक परीक्षा की फिर से परीक्षा की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

काशी के बाबा विश्वनाथ का प्रतिरूप हैं प्रयागराज के बाबा लोकनाथ

नाथ संप्रदाय के मत्स्येंद्रनाथ ने प्रचीनकाल में यहां चतुर्मास पूरा किया था। इस मंदिर में भगवान लोकनाथ के साथ उनकी सवारी नंदी महाराज, भगवान गणेश एवं भवानी स्वरूप माता पार्वती और शेषनाग की प्राचीन प्रतिमाएं हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभनगर। सनातन संस्कृति और आस्था की प्राचीनतम नगरी प्रयागराज बाबा लोकनाथ काशी के बाबा विश्वनाथ का प्रतिरूप हैं। लोकनाथ महादेव की प्राचीनता के बारे में सही तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता लेकिन यहां के पुजारी बताते हैं कि स्कंद पुराण के रेवा खण्ड और महाभारत के शांतिपर्व में बाबा लोकनाथ का वर्णन आता है। प्रयागराज के मुख्य बाजार चौक के प्रसिद्ध मोहल्ले लोकनाथ का नाम यहां स्थापित बाबा लोकनाथ के नाम पर पड़ा है।

चार पीढ़ियों से बाबा लोकनाथ का पूजन कर रहे पुजारी गौरी शंकर पाण्डेय ने बताया कि पौराणिक मान्यता है कि समस्त पुरियों और तीर्थों के राजा होने कारण इन्हें तीर्थराज प्रयागराज कहा जाता है। बाबा लोकनाथ स्वयं भू शिवलिंग हैं और इनका वर्णन स्कंद पुराण के रेवा खण्ड में वामदेव महादेव देव-देव सुरेश्वरः, लोकनाथ पाहि-पाहि प्राणनाथ कृपाकरः। के रूप में मिलता है। इसके अतिरिक्त महाभारत के शांति पर्व में भी प्रयाग के बाबा लोकनाथ का वर्णन आया है। सावन माह, प्रदोष और शिवरात्रि के दिन लोकनाथ महादेव का विशेष रूप से पूजन होता है। केवल प्रयागराजवासी नहीं बल्कि दूर-दूर से संगम आने वाले श्रद्धालु लोकनाथ महादेव का दर्शन करने जरूर आते हैं।

पाण्डे ने बताया कि प्रयाग की प्रसिद्ध हस्तियां मदन मोहन मालवीय, छुन्नन गुरु, पंड़ित श्रीधर पाठक नियमित रूप से मंदिर आते थे। इसके अलावा प्रधानमंत्री रहते हुए इंदिरा गांधी और वी.पी. सिंह ने भी बाबा लोकनाथ का दर्शन और पूजन किया था। उन्होंने बताया कि शिवरात्रि के दिन निकले वाली बाबा लोकनाथ की शिव बारात प्रयागराज की ऐतिहासिक शिव बारात है।

उन्होंने बताया कि नाथ संप्रदाय के मत्स्येंद्रनाथ ने प्रचीनकाल में यहां चतुर्मास पूरा किया था। इस मंदिर में भगवान लोकनाथ के साथ उनकी सवारी नंदी महाराज, भगवान गणेश एवं भवानी स्वरूप माता पार्वती और शेषनाग की प्राचीन प्रतिमाएं हैं। इसके अतिरिक्त स्थानीय लोगों ने माता दुर्गा, हनुमान जी और अन्य देवी-देवताओं की मूर्तियां भी स्थापित की है।

शबाना आजमी ने श्याम बेनेगल को स्मृति सभा में याद किया

मुंबई/एजेन्सी

फिल्मकार श्याम बेनेगल के निधन के कुछ दिन बाद उनके करीबी सहयोगी और मित्र रहे नसीरुद्दीन शाह तथा शबाना आजमी ने उनकी बड़ी, गर्मजोशी भरी मुस्कान को याद किया और बताया कि कैसे वह अंत तक अपने रचनात्मक दृष्टिकोण के प्रति समर्पित रहे। दक्षिण मुंबई के वाई बी चव्हाण केंद्र में शनिवार को स्मृति सभा में जावेद अख्तर, कुलभूषण खरबंदा, इला अरुण, प्रह्लाद कक्कड़, उर्मिला मातोंडकर और दिव्या दत्ता सहित फिल्म उद्योग के कई लोग बेनेगल की याद में एकत्र हुए। बेनेगल का 23 दिसंबर को किडनी की गंभीर बीमारी के कारण निधन हो गया। उनके परिवार में पत्नी नीरा और बेटी पिया हैं। बेनेगल का 14 दिसंबर को 90वां जन्मदिन था।

वर्ष 1974 में बेनेगल की पहली फीचर फिल्म अंकुर से अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने वाली आजमी ने कहा कि बेनेगल उनके गुरु थे। आजमी ने कहा, वह किसी के गुरु कहलाना नहीं चाहते थे, लेकिन फिर भी वह मेरे गुरु थे। वह मेरे गुरु थे, न केवल इसलिए कि वह मेरे पहले निर्देशक थे, बल्कि उनके साथ रहकर मैंने जीवन के कई सबक सीखे। उन्होंने फिल्मकार को याद करते हुए कहा, मैं उनसे हर बार सलाह लेती थी कि मुझे कोई प्रोजेक्ट करना चाहिए या नहीं। वह न तो मेरे गुरु बनना चाहते थे और न ही मेरे 'मेंटर'। वह मेरे दोस्त थे और बराबरी के थे तथा उन्होंने इस दोस्ती के लिए जगह बनाई। उन्होंने मुझे बराबर सम्मान दिया और खड़े होने की क्षमता दी। अभिनेत्री ने कहा कि बेनेगल के साथ

उनकी पहली याद तब की है जब वह 1973 में विज्ञापन एजेंसी एएसपी के कार्यालय में उनसे मिलने गई थीं। बेनेगल ने विज्ञापन पेशेवर के रूप में शुरुआत की थी। आजमी ने कहा, मुझे उनके बारे में जो बात सबसे ज्यादा प्रभावित करती है, वह है उनकी गर्मजोशी भरी मुस्कान, जब मैं उनसे मिलने एएसपी कार्यालय गई थी, जहां वह क्रिएटिव डायरेक्टर थे और 'अंकुर' के लिए कलाकारों की तलाश कर रहे थे। 'अंकुर' के बाद आजमी और बेनेगल ने 'निशांत', 'मंडी', 'जुनून', 'हरी भरी', 'सुस्मान' और 'अंतर्नाद' जैसी कई फिल्मों में साथ काम किया।

उन्होंने कहा, श्याम बेनेगल की आखिरी याद 14 दिसंबर, 2024 की है, जब उन्होंने, नीरा और पिया ने उनके 90वें जन्मदिन के लिए एक समारोह का आयोजन किया था।

मस्क ने एच-1बी वीजा को बचाने के लिए युद्ध तक करने की कसम खाई, मिला ट्रंप का समर्थन

वाशिंगटन। एलन मस्क को एच-1बी वीजा कार्यक्रम को बचाने के लिए नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन मिला है। एक दिन पहले ही अरबपति कारोबारी ने कुशल विदेशी पेशेवरों को अमेरिका लाने को इस कार्यक्रम की रक्षा करने के लिए युद्ध तक करने की कसम खाई थी। ट्रंप ने अपने सरकारी दक्षता मंत्रालय का नेतृत्व करने के लिए मस्क को भारतीय-अमेरिकी प्रौद्योगिकी उद्यमी विवेक रामास्वामी के साथ चुना है।

मस्क ने पिछले हफ्ते तर्क दिया था कि उनकी स्पेसएक्स और टेस्ला जैसी प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए विदेशी पेशेवरों की जरूरत है। मस्क ने शुक्रवार को इस बारे में 'एक्स' पर एक उपयोगकर्ता को फटकार लगाई, जिसने वीजा कार्यक्रम पर उनके रुख पर हमला करने के लिए उनके ही एक वीडियो का इस्तेमाल किया था।

मस्क ने 'एक्स' पर लिखा, मैं एच1बी कार्यक्रम के कारण ही स्पेसएक्स, टेस्ला और अमेरिका को मजबूत बनाने वाली सैकड़ों अन्य कंपनियों का निर्माण करने वाले कई महत्वपूर्ण लोगों के साथ अमेरिका में हूं। इसके बाद शनिवार को ट्रंप ने मस्क का पक्ष लेते हुए कहा कि वह अपने कुछ समर्थकों के विरोध किए जाने वाले कार्यक्रम का पूरी तरह से समर्थन करते हैं।

उन्होंने न्यूयॉर्क पोस्ट अखबार से कहा, मुझे हमेशा से वीजा पसंद रहे हैं, मैं हमेशा से वीजा के पक्ष में रहा हूं। इसलिए हमारे पास ये हैं। उन्होंने आगे कहा, मैं एच-1बी वीजा में विश्वास करता रहा हूं। मैंने कई बार इसका इस्तेमाल किया है।

'सिकंदर' का टीजर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के जानेमाने फिल्मकार साजिद नाडियाडवाला ने सलमान खान स्टारर फिल्म सिकंदर का टीजर रिलीज कर दिया है। फिल्म सिकंदर को सलमान खान के करीबी दोस्त और लंबे समय से साथी साजिद नाडियाडवाला ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म सिकंदर का मच अवेटेड टीज़र रिलीज हो गया है।इस टीज़र में सलमान खान एक बिलकुल नए अवतार में नजर आ रहे हैं, जो करिज्मा, ताकत और उनके स्वैग से भरा हुआ है। इस टीज़र को और भी खास बनाता है संतोष नारायणन का कंपोजड इलेक्ट्रीफाइंग बैकग्राउंड स्कोर, जो विज़ुअल्स की ताकत और भव्यता के साथ पूरी तरह से मेल खाता है। मेकर्स ने टीज़र को सिर्फ यूट्यूब पर ही रिलीज़ करने का फैसला किया है, जिससे दुनियाभर के दर्शकों को इस ग्रैंड फिल्म का बेहतरीन अनुभव मिल सके। फिल्म सिकंदर, सलमान खान और साजिद नाडियाडवाला की 2014 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'किक' के बाद आने वाली पहली फिल्म है, जो साजिद के निर्देशन में बनी पहली फिल्म भी थी। फिल्म सिकंदर का निर्देशन ए.आर. मुरुगडोस ने किया है।

राजामौली की फिल्म में काम करेंगी प्रियंका चोपड़ा!

मुंबई/एजेन्सी

ग्लोबल आइकन प्रियंका चोपड़ा दक्षिण भारतीय फिल्मों के जानेमाने निर्देशक एस.राजामौली की फिल्म में काम करती नजर आ सकती हैं। बॉलीवुड में चर्चा है कि एस. एस. राजामौली इन दिनों अपने नए प्रोजेक्ट की तैयारियों में लगे हैं। चर्चा है कि प्रियंका चोपड़ा ,राजामौली के इस प्रोजेक्ट में काम करती नजर आ सकती हैं। कहा जा रहा है कि इस फिल्म की शूटिंग अगले साल 2025, अप्रैल में शुरू होगी।

चर्चा है कि इस फिल्म में प्रियंका चोपड़ा के साथ महेश बाबू मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।फिल्म की स्क्रिप्ट लगभग तैयार है।बताया जा रहा है कि यह फिल्म साल 2027 में रिलीज हो सकती है। इस फिल्म की शूटिंग भारत और अमेरिका में होगी। कहा जा रहा है

कि एसएस राजामौली अपने इस प्रोजेक्ट के लिए ऐसी अभिनेत्री की तलाश में थे, जो भारत के साथ-साथ दुनियाभर में भी लोकप्रिय हो। प्रियंका चोपड़ा लंबे अरसे से भारतीय सिनेमा जगत से दूर है। प्रियंका हॉलीवुड प्रोजेक्टस में बिजी हैं। यदि सबकुछ सही रहा तो प्रियंका, राजामौली की फिल्म से भारतीय सिनेमा में वापसी कर सकती हैं।

सेल्फी

अभिनेता सोनू सूद रविवार को अमृतसर में अपनी आगामी फिल्म 'फतेह' के लिए आशीर्वाद लेने हरमंदिर साहिब (स्वर्ण मंदिर) गए और प्रशंसकों के साथ सेल्फी ली।

बॉलीवुड में नए चेहरों ने दर्शकों का दिल जीता

मुंबई/एजेन्सी

वर्ष 2024 में बॉलीवुड में स्टार किड्स के साथ हीं कई नये चेहरों ने जोरदार दस्तक दी और अपनी जबरदस्त प्रतिभा से उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री को समृद्ध करने के साथ ही दर्शकों का दिल जीत लिया। वर्ष 2024 में कई नामचीन सितारों के बच्चों के साथ नवोदित कलाकारों ने डेब्यू किया। डेब्यू करने वाले कलाकारों ने न केवल अपनी काबिलियत साबित की, बल्कि इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान भी बनाई। इनमें आमिर खान के पुत्र जुनैद खान, श्रीदेवी-बोनी कपूर की छोटी पुत्री खुशी कपूर, शाहरूख खान की पुत्री सुहाना खान,अमिताभ बच्चन के नाती अगस्तय नंदा, वरूण धवन की भतीजी अंजलि धवन, ऋतिक रोशन की चचेरी बहन और संगीतकार राजेश रौशन की पुत्री पश्मीना रौशन, लक्ष्य, प्रतिभा रांटा, नितांशी गोयल समेत अन्य शामिल हैं। आमिर खान के बेटे जुनैद खान ने इस वर्ष यशराज बैनर तले बनीं अपनी पहली फिल्म 'महाराज' से बॉलीवुड में कदम रखा। एक पत्रकार की कहानी पर आधारित इस पीरियड ड्रामा ने जुनैद को अपनी अभिनय क्षमता दिखाने का मौका दिया। करसनदास मुलजी के रूप में उनका अभिनय सराहा गया था। फिल्म ने उनके अभिनय के लिए काफी ध्यान आकर्षित किया।

जोया अख्तर के निर्देशन में बनी फिल्म द आर्चीज से खुशी कपूर, सुहाना खान अगस्तय नंदा, और अदिति सहगल ने डेब्यू किया। यह फिल्म अमेरिका की फेमस कॉमिक 'द आर्चीज' पर आधारित है। फिल्म का प्रोडक्शन टाइगर बेबी के तहत किया गया है। हालांकि यह फिल्म दर्शकों को आकर्षित करने में कामयाब नहीं हुयी। पश्मीना रोशन ने भी 2024 में बॉलीवुड में कदम रखा। उन्होंने फिल्म इश्क विश्क रिबाउंड में काम किया, लेकिन यह फिल्म भी फ्लॉप रही। यह फिल्म शाहिद कपूर की सुपरहिट फिल्म इश्क विश्क की सीक्वल है। इसी फिल्म से सीरियल महाभारत में अर्जुन का किरदार निभाने वाले फिरोज खान के पुत्र जिब्रान खान ने डेब्यू किया। उन्होंने करण जौहर की फिल्म कभी खुशी कभी गम में शाहरुख खान और काजोल के बेटे युवा क्रिश की भूमिका निभायी थी। प्रतिभा रांटा ने आमिर खान प्रोडक्शन के बैनर तले बनीं फिल्म 'लापता लेडीज' से डेब्यू किया। फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया ने 29 शॉर्टलिस्ट हुई फिल्मों की लिस्ट में से 'लापता लेडीज' को ऑस्कर में भारत की ऑफिशियल एंट्री के तौर पर चुना था। किरण राव के निर्देशन में बनी इस फिल्म में प्रतिभा ने जया नाम की लड़की का किरदार निभाया था। उनके अभिनय में काफी गहराई और भावनात्मक जटिलता देखने को मिली। अपनी डेब्यू फिल्म से ही प्रतिभा ने अपनी अलग पहचान बना ली। इस फ़िल्म के बाद उन्हें न्यू नेशनल क्रश का टैग भी मिला था। बाल कलाकार के रूप में अपने सफल करियर के बाद नितांशी गोयल ने भी फिल्म 'लापता लेडीज' से डेब्यू किया।फूल के किरदार में उन्हें देखना दिलचस्प रहा। ग्रामीण परिवेश में एक युवा लड़की फूल कुमारी का उनका चित्रण दिल को छूने वाला और स्वाभाविक था।

अभय वर्मा ने हॉरर-कॉमेडी ब्लॉकस्बस्टर फिल्म 'मुंज्या' से बतौर मुख्य अभिनेता डेब्यू किया है। इस फिल्म में उनका किरदार और उसकी एक्टिंग कमाल था, जिसके लिए वह सबके फेवरेट बन गए। लोकप्रिय टेलीविजन अभिनेता लक्ष्य ने 2024 में करण जौहर निर्मित एक्शन से भरपूर थ्रिलर 'किल' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। एक्शन हीरो के रूप में लक्ष्य सामने आए। इस फिल्म में उन्होंने एक निडर नायक का किरदार निभाया, जिसमें उनका शारीरिक कौशल और भावनात्मक गहराई दोनों ही देखने को मिले। उनकी दमदार फाइट सीक्वेंस और अभिनय ने उन्हें बॉलीवुड के उभरते एक्शन स्टार के रूप में स्थापित किया। क्रिटिक्स और दर्शक दोनों ने ही उनके प्रदर्शन की तारीफ की। गायिका से अभिनेत्री बनीं लिसा मिश्रा ने वेब सीरीज़ कॉल मी बे से शानदार शुरुआत की। उन्होंने एक आधुनिक और स्वतंत्र महिला की जटिल ज़िंदगी और रिश्तों को बड़े ही संवेदनशील तरीके से पर्दे पर उतारा।

बचपन के दोस्तों संग छुट्टियां मनाने 'अचानक' थाईलैंड निकले अनुपम खेर

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता अनुपम खेर अपने अजीज दोस्तों के साथ छुट्टियां मनाने थाइलैंड निकल गए हैं। अपडेट अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर दिया। दावा किया कि फैसला अचानक ही लिया। थाईलैंड की उड़ान भरने से पहले अभिनेता अनुपम खेर ने अपने 55 साल पुराने दोस्तों से मिलवाया। खेर ने इंस्टाग्राम पर वीडियो मोंटाज साझा कर लिखा, मैं, विजय सहगल, अनिल शर्मा और सतीश मल्होत्रा शिमला में साथ रहते थे। हम पिछले 55 साल से दोस्त हैं। सब दादा-नाना बन चुके हैं! हमने जिंदगी के उतार-चढ़ावों में दोस्ती को बरकरार रखा।

मेरा भाई राजू बाई डिफॉल्ट (अपने आप) हमारा दोस्त बना। छोटे शहरों में बड़े भाई के दोस्त छोटे भाई के दोस्त भी आसानी से बन जाते हैं। हम अलग-अलग शहरों में रहते हुए भी एक-दूसरे के संपर्क में रहते हैं। पिछले हफ्ते मैंने इन्हें सरप्राइज दिया कि मैं उन्हें पांच

दिनों के लिए छुट्टी पर थाईलैंड लेकर जा रहा हूं। किस्मत से सबके घरवाले मेरे इस अचानक लिए फैसले से खुश थे। पेश है हमारी इस छुट्टी की कुछ झलकियां! ये हमारी जिंदगी के कुछ सबसे खुशी वाले दिन हैं। वाकई जिंदगी ना मिलेगी दोबारा। जय हो।

फिल्म इंडस्ट्री के कुल कलाकारों के साथ भी अनुपम की अच्छी छनती है। निर्देशक-कलाकार सतीश कौशिक भी उनमें से एक थे। अब वो नहीं रहे लेकिन उनके परिवार से जुड़ाव अभी भी है। उनकी जयंती और पुण्यतिथि पर दिवंगत एक्टर की बिटिया संग समय बिताते दिखते हैं। उनकी इस फ्रेंड लिस्ट में अनिल कपूर का भी नाम है। अभिनेता ने हाल ही में अनिल कपूर को जन्मदिन की बधाई देते हुए एक पोस्ट भी शेयर किया था, जिसमें उन्होंने कपूर को अपना मार्गदर्शक और भाई भी बताया था। खेर ने पोस्ट साझा कर लिखा था, मेरे प्यारे दोस्त, दार्शनिक, मार्गदर्शक, भाई और तनाव से मुक्ति दिलाने वाले कपूर साब को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं! भगवान आपको दुनिया की सारी खुशियां दें। आप दीर्घायु हों और आपका जीवन खुशहाल और स्वस्थ हो।

खेर ने आगे लिखा था, आप लंबे समय से मेरे लिए सपोर्ट सिस्टम रहे हैं। मुझे हमारी प्रेरक बातचीत उतनी ही पसंद है जितनी कि हमारे गपशप के सीजन, जिस तरह से आप खुद को नया रूप देते रहते हैं, वह मुझे बहुत पसंद है! चलते रहो, चलते रहो और दौड़ते रहो! आपको प्यार। जन्मदिन मुबारक अनिल कपूर।

आंध्र प्रदेश में सड़क सुरक्षा को लेकर लोगों को जागरूक कर रहे हैं एनटीआर जूनियर

मुंबई/एजेन्सी

मैन ऑफ मासेस एनटीआर जूनियर सड़क सुरक्षा को लेकर लोगों को जागरूक कर रहे हैं। सिल्वर स्क्रीन पर चमकने से लेकर सड़कों पर लोगों की जान बचाने तक, मैन ऑफ मासेस एनटीआर जूनियर की स्टार पावर सीमाओं से परे है। एनटीआर जूनियर ने फिल्म आरआरआर और देवरा: भाग 1 जैसी सफल फिल्मों में शानदार प्रदर्शन करके दुनिया भर में लोगों का दिल जीता, अब सड़क सुरक्षा जागरूकता के मामले में सबसे आगे है।

एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए, आंध्र प्रदेश सरकार ने एनटीआर की प्रतिष्ठित वैधानिक चेतावनी संदेश को शामिल किया है, जो उनकी हर फिल्म से पहले सुना जाता है। पूरे राज्य में प्रमुख ट्रैफ़िक सिग्नल पर, यह संदेश, एक स्पष्ट और भावनात्मक अनुस्मारक है, जो आग्रह करता है,सुरक्षित ड्राइव करें और तेज़ गति से गाड़ी न चलायें, अपनी जान जोखिम में न डालें क्योंकि आपका परिवार आपका इंतज़ार कर रहा है। मेरे

परिवार में कुछ त्रासदियाँ हुई हैं जिनमें मेरे पिता और भाई की जान चली गई। ऐसी घटनाएँ किसी के साथ नहीं होनी चाहिए।

एनटीआर जूनियर की फिल्मों में जो संदेश कभी एक मुख्य संदेश हुआ करता था, वह अब सिनेमाई दुनिया से आगे निकल चुका है, जो हर दिन लाखों यात्रियों के साथ गूंजता है। हर प्रमुख जंक्शन पर उनके शब्दों को प्रचारित करने का सरकार का फैसला एनटीआर जूनियर के प्रति स्थायी विश्वास और सम्मान को रेखांकित करता है, न केवल एक सुपरस्टार के रूप में बल्कि सावधानी और देखभाल की आवाज़ के रूप में भी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | सोमवार | 30-12-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

कथा के आखिरी दिन बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं को संतश्री ने एक ष्टांत सुनाते हुए कहा कि देवर्षि नारद जी से एक बार वासुदेव जी ने पूछा कि कल्याण का स्वरूप क्या है? उन्होंने कहा जो गंगा के किनारे रहता है वह गंगा का महत्व नहीं समझ पाता।

देवी उत्सव — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के हम्पीनगर के शिव पार्वती पुत्र विनायक गेळेयरा बळगा द्वारा क्षेत्र में अणम्मादेवी उत्सव का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। मुणोत ने अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। संस्था की ओर से मुणोत का सम्मान किया। आयोजकों ने इस मौके पर महेन्द्र मुणोत एवं शांता भंडारी का सम्मान किया।

संत ही परमात्मा दर्शन का मार्ग एवं युक्ति बताते हैं, हमें उनका अनुसरण करना चाहिए : स्वामीश्री व्यासानंद

कथा पूर्णाहुति पर कथा वाचक व्यासानंदजी का किया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय संतमत परिवार प्रचार समिति के तत्वावधान में जयनगर स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में चल रही श्रीमद भागवत कथा सप्ताह ज्ञानयज्ञ में रविवार को व्यासपीठ से सदगुरु महर्षि मेंहीँ महाराज के शिष्य स्वामी व्यासानंदजी महाराज की निश्रा में भागवत कथा का सप्तम एवं आखिरी सत्र का आयोजन किया जिसमें सुबह भागवत पूजा एवं हवन किया गया। हवन के बाद आयोजित कथा में स्वामी व्यासानंदजी ने कहा कि प्रभु के दर्शन मात्र से जीवन का आनंद प्राप्त हो जाता है। मनुष्य को सदा दर्शन की ललक बनी रहनी चाहिए। अपनी आंख से परमात्मा को कोई नहीं देख सकता। जब परमात्मा अपनी आंखों की शक्ति मनुष्य के आंखों के देते हैं तभी परमात्मा का दर्शन हो सकता है। इस संसार में कार्य करने की शक्ति भगवान देते हैं और युक्ति संत देते हैं। जिस दिन उनके शाश्वत शरीर का दर्शन आत्म चक्षु से हो जाते हैं , मोक्ष की प्राप्ति हो जाती है।

कथा के आखिरी दिन बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं को संतश्री ने एक दृष्टांत सुनाते हुए कहा कि देवर्षि नारद जी से एक बार वासुदेव जी ने पूछा कि कल्याण का स्वरूप क्या है? उन्होंने कहा जो गंगा के किनारे रहता है वह गंगा का महत्व नहीं समझ पाता। जितनी श्रद्धा के साथ सुदूर से आने वाले दर्शन करते हैं उतनी ज्यादा नजदीक रहने वाले को नहीं हो पाती, वह भ्रमित हो जाते हैं। नयन भर उनको देखने मात्र से, उनके विषय के सुनने मात्र से, उनके नाम लेने मात्र से कल्याण हो जाता है। संतश्री ने कहा कि असली स्वरुप से प्रेम करो। उस शाश्वत परमेश्वर से प्रेम करो। उस तारणहार से प्रेम करो। मेरे तो गिरिधर गोपाल दूसरों न कोई। अपने कर्म मनुष्य छुपाने की कोशिश करता है लेकिन परमात्मा तो हमारे हृदय में बसते हैं, उनसे कोई कुछ कैसे छुपा सकता है। संत का अनुसरण कीजिए, संत ही आपको परमात्म दर्शन का मार्ग एवं युक्ति बताएंगे। संत हमेशा प्रभु में लगे रहते है, उन्होंने बारे में अध्ययन करते हैं, उन्हीं का ध्यान भजन करते हैं और उन्हीं के मार्ग पर चलने के लिए मनुष्य को प्रेरित करते हैं। हर सांसारिक चीजों की चाहना से जो रहित हैं वही संत हैं। गुरु गोविंद दोउ खड़े काके लोगों पायँ बलिहारी गुरु आपनी गोविंद दियो बताए। ऐसे संत का जो सत्संग करेगा उसे परमात्मा जरूर प्राप्त हो जाएंगे। हमें सदा संत का अनुसरण करना चाहिए।आरती के बाद संतश्री व्यासानंदजी को भागवत अमृतपान के लिए धन्यवाद दिया गया और उनका सम्मान किया गया।

संजय बैद बने राजस्थान परिषद के नए अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के राजस्थान परिषद की आरआर नगर स्थिततेरापंथ भवन, में आयोजित विशेष बैठक कार्यवाहक समिति के सदस्य सुशील चौरड़िया, सुनील सुराना, विकास लोढ़ा और सूरज चिंडालिया एवं पूर्व अध्यक्ष बालचंद चिंडालिया एवं अनेक सदस्यों की उपस्थिति में संपन्न हुई। पूर्व अध्यक्ष बालचंद चिंडालिया ने सभी का स्वागत करते हुए परिषद के प्रति सभी की निष्ठा और योगदान की सराहना की। निवर्तमान मंत्री विनय बैद ने गत सभा की कार्यवाही का वाचन किया एवं आयोजित कार्यक्रमों की जानकारी प्रस्तुत की। निवर्तमान उपाध्यक्ष संजय बैद ने परिषद की आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। तत्पश्चात चुनाव अधिकारी आलोक सेठिया ने नए कार्यकाल के लिए संजय बैद को निर्विरोध अध्यक्ष नियुक्त किया। संजय बैद ने सभी को धन्यवाद देते हुए परिषद की प्रगति हेतु प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए सभी से सहयोग की अपील की। परिषद के विकास हेतु अनेक सदस्यों ने अपने सुझाव साझा किए। ऋषभ बरड़िया ने संचालन किया।

संतश्री नरेशमुनि की नववर्ष की मांगलिक महावीर तपोवन में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के टुमकूर रोड स्थित महावीर तपोवन में उपप्रवर्तक संतश्री नरेशमुनिजी व मुनिश्री शालिभद्रजी की निश्रा में 1 जनवरी को सुबह 9.30 बजे नववर्ष मांगलिक का आयोजन किया जा रहा है। आयोजक व गौतम प्रसादी के लाभार्थी रांका स्टील के बाबूलाल रांका ने सभी गुरु भक्तों को नववर्ष मांगलिक में कुलुवनहल्ली स्थित महावीर तपोवन में आने का न्यौता दिया है। श्री गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन चेरिटेबल ट्रस्ट के महामंत्री महावीर मेहता ने यह जानकारी दी।

जिंदगी में भावनाओं का संतुलन बहुत जरुरी है : डॉ. सुयशनिधि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जयगच्छीय जैन संत डॉ. पदमचंद्र महाराज की सुशिष्याएं जैन समणी डॉ. सुयशनिधिजी एवं डॉ. सुयोगनिधिजी के सान्निध्य में समणी सेंटर में चल रहे जैन अणुप्पेहा ध्यान योग साधना शिविर के अंतर्गत भावनाओं को संतुलित करने की तकनीक सिखाई गई। डॉ. समणी ने कहा कि जीवन में भावनाएं हमारे अनुभवों का केंद्र होती हैं।

कभी हम खुशी और उत्साह का अनुभव करते हैं, तो कभी तनाव और निराशा का। सकारात्मक और नकारात्मक भावनाओं के बीच संतुलन बनाना मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। सिर्फ सकारात्मक भावनाओं पर ध्यान देने से हम वास्तविकता से दूर हो सकते हैं, जबकि केवल नकारात्मक भावनाओं में डूबे रहने से मानसिक तनाव बढ़ सकता है। संतुलन से हमें मानसिक शांति और भावनात्मक स्थिरता मिलती है। ध्यान अभ्यास द्वारा डॉ. समणी सुयशनिधिजी ने संपूर्ण शरीर एवं मन के भीतर रहे हुए नकारात्मक ऊर्जा को सकारात्मक में परिवर्तित करने की सरल विधि बताई। शिविर के चतुर्थ दिवस पर सभी ने ध्यान की गहराई में उतरना आसान महसूस किया।

गुरु दर्शन — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमन्तनगर के अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी, उपाध्यक्ष पारसमल दुग्गड, मंत्री सुरेश धोका, पूर्व अध्यक्ष हुकमीचंद कांकरिया, कल्याणसिंह बुरड़, कार्यकारिणी सदस्य सुशील बोहरा, राजेश बाफना, ताराचंद चोपड़ा, ताराचंद भंडारी, सज्जनराज बाफ़ना ने रविवार को हलसूर में विराजित धर्मप्रभाजी एवं स्नेहप्रभाजी के दर्शन कर स्वास्थ्य की कुशलक्षेम पूछी। गुरु सेवा समिति द्वारा हीराबाग में 5 जनवरी को आयोजित मरुधर केसरी मिश्रीमलजी की पुण्यतिथि उत्सव में शामिल होने का बात कही।

बेंगलूरु के अभिषेक शेखर ने राष्ट्रीय स्तर पर 6 पदक जीते

राष्ट्रीय शूटिंग चैम्पियनशिप प्रतियोगिता में हासिल की उपलब्धि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के अभिषेक शेखर, भोपाल में चल रही 67वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैम्पियनशिप प्रतियोगिता में 10 मीटर एयर राइफल शूटिंग प्रतियोगिता में 6 पदक जीतने वाले कर्नाटक के पहले निशानेबाज बन गए हैं। मध्य प्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी में आयोजित इस प्रतियोगिता में अभिषेक भारत के उन सर्वश्रेष्ठ निशानेबाजों के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहे थे, जिन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व किया है और विश्व कप और अन्य अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट जीते हैं। अभिषेक ने टीम स्पर्धाओं में 3 स्वर्ण पदक जीते, जूनियर पुरुष फाइनल में ऐतिहासिक मैच में उल्लेखनीय प्रदर्शन के साथ एक रजत पदक जीता, जहाँ रुद्राक्ष पाटिल (जो पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में भारत के लिए ओलंपिक कोटा बर्थ जीतने वाले प्रतिभागियों में से एक थे) ने फाइनल में विश्व रिकॉर्ड तोड़ते हुए स्वर्ण पदक जीता। अभिषेक शेखर ने जूनियर पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल में 251.4 का शानदार स्कोर बनाकर रजत पदक जीतने के लिए

शानदार प्रदर्शन किया। अभिषेक ने तिलोत्तमा सेन के साथ जूनियर मिक्स्ड टीम इवेंट में रजत पदक और सिविलियन श्रेणी में कांस्य पदक भी जीता है।

महज 18 साल की उम्र में अभिषेक ने भारतीय निशानेबाजी के इतिहास में अपनी पहचान बना ली है। अभिषेक की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर उनके कोच रामचंद्रन पुरुषोत्तमन ने कहा कि जिस तरह से अभिषेक प्रक्रिया और तकनीकों का पालन करता है और जिस तरह से वह प्रत्येक शॉट का विश्लेषण करता है, उससे मुझे अभिषेक में काफी संभावनाएं दिखाई देती हैं।।

'खागा' ने किया वार्षिक कैलेन्डर का विमोचन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । कर्नाटक होजरी एवं गारमेंट एसोसिएशन ने अपनी मासिक बैठक में नववर्ष 2025 के कैलेंडर का विमोचन किया गया जिसमें वार्षिक त्यौहार सहित कई महत्वपूर्ण जानकारियां प्रकाशित की गई है। कैलेंडर प्रकाशन के मुख्य सहयोगी ललितकुमार, जयज्वाला एजेन्सीज के प्रतिनिधियों का अध्यक्ष प्रकाश भोजानी द्वारा सम्मान किया गया। विमोचन के मौके पर खागा अध्यक्ष प्रकाश भोजानी, उपाध्यक्ष पीएच राजपुरोहित, नरपतसिंह राजपुरोहित, सहसचिव बिशनसिंह विराणा, विकास जैन, कोषाध्यक्ष जोगेश जैन एवं पूर्व अध्यक्ष सज्जनराज मेहता, दिलीप जैन, गौतमचंद पोरवाल सहित कई कार्यकारिणी समिति सदस्य उपस्थित थे।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की अस्थियां यमुना नदी में विसर्जित की गईं

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की अस्थियां उनके परिवार के सदस्यों ने सिख रीति-रिवाजों के अनुसार मजनू का टीला गुरुद्वारा के निकट यमुना नदी में विसर्जित कर दीं।

अस्थियां रविवार सुबह सिंह के परिवार के सदस्यों द्वारा निगमबोध घाट से एकत्र की गईं और बाद में उन्हें गुरुद्वारे के पास यमुना नदी तट पर स्थित 'अष्ट घाट' ले जाया गया।

सिंह की पत्नी गुरशरण कौर, उनकी तीन बेटियां – उपिंदर सिंह, दमन सिंह और अमृत सिंह अन्य रिश्तेदारों के साथ इस मौके मौजूद थीं। परिवार सिख रीति-रिवाजों के अनुरूप एक जनवरी को 3, मोतीलाल नेहरू मार्ग स्थित अपने आधिकारिक आवास पर 'अखंड पाठ' का आयोजन करेगा।

संसद परिसर के पास रकाबगंज गुरुद्वारे में 3 जनवरी को भोग, अंतिम अरदास और कीर्तन का आयोजन किया जाएगा।

मनमोहन सिंह (92) का 26 दिसंबर की रात अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया था। वह 92 वर्ष के थे।

1990 के दशक में आर्थिक उदारीकरण के युग की शुरुआत करने वाले पूर्व प्रधानमंत्री का शनिवार को निगमबोध घाट पर राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पूर्व प्रधानमंत्री सिंह को अंतिम श्रद्धांजलि देने में राष्ट्र का नेतृत्व किया।

कांग्रेस ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अस्थि विसर्जन की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, हम सभी मनमोहन सिंह जी की राष्ट्र के प्रति सेवा, उनके समर्पण और उनकी सादगी को हमेशा याद रखेंगे।

हालांकि, भाजपा नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने इसको लेकर अफसोस जताया कि पूर्व प्रधानमंत्री की अस्थियां विसर्जित किए जाने के समय गांधी परिवार से कोई मौजूद नहीं था।

यून ने मार्शल लॉ जांच में पूछताछ के लिए तीसरे समन अनुरोध को ठुकराया

सोल। दक्षिण कोरिया के महाभियोग लगाए गए राष्ट्रपति यून सुक-योल ने रविवार को मार्शल लॉ लागू करने की जांच में पूछताछ के लिए बुलाए जाने के तीसरे समन अनुरोध को ठुकरा दिया। योनहाप समाचार एजेंसी ने आज एक जांच निकाय का हवाला देते हुए यह जानकारी दी। मामले को संभाल रहे उच्च पदस्थ अधिकारियों के भ्रष्टाचार जांच कार्यालय (सीआईओ) ने कहा कि यून रविवार को स्थानीय समयानुसार सुबह 10 बजे अनुरोध के अनुसार सोल के दक्षिण में ग्वाचेन में अपने कार्यालय में उपस्थित नहीं हुए।

सीआईओ ने यून के विद्रोह और अन्य आरोपों की जांच के लिए राष्ट्रीय जांच कार्यालय और रक्षा मंत्रालय के जांच मुख्यालय के साथ एक संयुक्त जांच इकाई शुरू की। यह तीसरी बार है जब संकटग्रस्त राष्ट्रपति ने संयुक्त जांच इकाई द्वारा किए गए समन अनुरोध को ठुकरा दिया है। यून ने क्रमशः 18 दिसंबर और 25 दिसंबर को पूछताछ के लिए उपस्थित होने के लिए पिछले समनों को अस्वीकार कर दिया। एजेंसी ने कहा कि यून द्वारा समन अनुरोधों को बार-बार अस्वीकार करने से सीआईओ को उनकी गिरफ्तारी के लिए अदालती वारंट दाखिल करने के लिए प्रेरित किया जा सकता है क्योंकि जांच एजेंसी द्वारा किसी संदिग्ध के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट मांगने से पहले आमतौर पर तीन समनों को अधिकतम संख्या माना जाता है। यून को जांच एजेंसियों ने गत तीन दिसंबर की रात को आपातकालीन मार्शल लॉ की घोषणा के बाद कथित विद्रोह के आरोप में एक संदिग्ध के रूप में नामित किया था जिसे कुछ घंटों बाद नेशनल असेंबली द्वारा रद्द कर दिया गया था। इस महीने की शुरुआत में मार्शल लॉ डिक्री के अल्पकालिक अधिरोपण के लिए संसद द्वारा यून पर महाभियोग लगाया गया था।

रोपवे परियोजना के खिलाफ कटरा में लगातार पांचवें दिन बंद, भाजपा विधायक की भूख हड़ताल की धमकी

रियासी/जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर में वैष्णो देवी तीर्थयात्रा के आधार शिविर कटरा के कपाट त्रिकूट पहाड़ियों में प्रस्तावित रोपवे परियोजना के खिलाफ प्रदर्शन के चलते रविवार को लगातार पांचवें दिन बंद रहे। इस दौरान भाजपा के विधायक बलदेव राज शर्मा ने हिरासत में लिए गए लोगों को 24 घंटे में रिहा नहीं किए जाने पर भूख हड़ताल करने की धमकी दी। इस बीच, शहर में पहले हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान हिरासत में लिए गए लोगों को रिहा करने की मांग को लेकर पांच लोगों की भूख हड़ताल जारी है। बंद का आह्वान करने वाली श्री माता वैष्णों देवी संघर्ष समिति ने कहा कि बंद के दौरान कटरा में सभी गतिविधियां निलंबित रहेंगी। समिति के बंद के आह्वान के बाद कटरा में लगातार पांचवें दिन दुकानें, रेस्तरां और कारोबारी प्रतिष्ठान बंद रहे और यातायात सड़कों से नदारद रहा। बुधवार को शुरू हुए बंद से कटरा में आम जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है, जहां वैष्णों देवी गुफा मंदिर के दर्शन करने प्रतिदिन हजारों तीर्थयात्री आते हैं। रविवार को प्रदर्शनकारियों में शामिल हुए शर्मा ने प्रशासन को चेतावनी दी कि अगर हिरासत में लिए गए समिति के सदस्यों को 24 घंटे के अंदर रिहा नहीं किया जाता तो सिलसिलेवार भूख हड़ताल की जाएगी।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com